



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 370]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 3, 2018/आश्विन 11, 1940

No. 370]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 2018/ASVINA 11, 1940

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 03 अक्टूबर, 2018

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018

सं. सेबी/ एल. ए. डी. - एन.आर. ओ./ जी. एन./ 2018/ 41.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 11 तथा 30 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4, 8 क तथा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों (क्लीयरिंग कारपोरेशन) की मान्यता, उनके स्वामित्व तथा उनके संचालन (गवर्नेंस) का विनियमन करने के लिए और उनसे जुड़े या उनसे आनुषंगिक मामलों के संबंध में निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

अध्याय-I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।

(2) वे भारत के राजपत्र में उनकी अधिसूचना की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, यहाँ परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं, और उनके सजातीय पदों का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा, -

(क) "अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है;

(ख) "सहयोगी" (सहयुक्त / असोसिएट) से, किसी व्यक्ति के संबंध में, ऐसा अन्य व्यक्ति शामिल होगा:

- (i) जो, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, स्वयं, या अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर, पहले व्यक्ति पर नियंत्रण रखता हो;
 - (ii) जो पहले व्यक्ति के कुल वोटिंग अधिकारों के कम से कम बीस प्रतिशत पर नियंत्रण रखता हो;
 - (iii) जो पहले व्यक्ति की नियंत्री (होलिडिंग) कंपनी या समनुषंगी (सब्सिडियरी) कंपनी हो;
 - (iv) जो पहले व्यक्ति का नातेदार हो;
 - (v) जो उस हिंदू अविभक्त कुटुंब का सदस्य हो जिसमें पहला व्यक्ति भी सदस्य हो;
 - (vi) ऐसे अन्य मामले जहाँ बोर्ड की यह राय हो कि किसी व्यक्ति को तथ्यों एवं कारकों (जिनमें शामिल हैं कि - नियंत्रण कितना है, स्वतंत्रता कितनी है, हित-विरोध कितना है) के आधार पर सहयोगी (असोसिएट) माना जाएगा;
- (ग) "बोर्ड" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के प्रावधानों के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;
- (घ) "समाशोधन निगम" (क्लीयरिंग कारपोरेशन) से ऐसी एंटीटी अभिप्रेत है जिसे उन प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) या अन्य लिखतों (इंस्ट्रुमेंट्स) या उत्पादों (प्रोडक्ट्स) में होने वाले व्यापारों (ट्रेड) के समाशोधन (क्लीयरिंग) तथा निपटान (सेटलमेंट) का क्रियाकलाप करने के लिए स्थापित किया गया हो, जिनका लेनदेन (डीलिंग) या व्यापार मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है, और जिसमें समाशोधन गृह (क्लीयरिंग हाउस) शामिल है;
- (ङ) "समाशोधन सदस्य" (क्लीयरिंग मेम्बर) से किसी मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समाशोधन के अधिकार रखने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है, और जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (कड) में यथा परिभाषित समाशोधन सदस्य शामिल है;
- (च) "कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 3 में यथा परिभाषित कंपनी अभिप्रेत है;
- (छ) "कमोडिटी व्युत्पत्ती एक्सचेंज" से वह मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो, बोर्ड की पूर्व मंजूरी लेकर, कमोडिटी व्युत्पत्तियों (डेरिवेटिव्स) में और प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) के ऑप्शन में क्रय, विक्रय या लेनदेन (डीलिंग) के कारबार में सहायता करता हो, को विनियमित (रेग्युलेट) करता हो या को नियंत्रित करता हो;
- (ज) "नियंत्रण" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ङ), या उसके किसी संशोधन के तहत उसके लिए नियत है;
- (झ) "शासी मंडल" से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का निदेशक मंडल अभिप्रेत है;
- (ञ) "प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों" (की मैनेजमेंट पर्सोनल) में ऐसा व्यक्ति शामिल है जो किसी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हो या ऐसे वरिष्ठ कार्यपालक पद पर हो जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में किसी विभाग (किन्हीं विभागों) के अध्यक्ष (अध्यक्षों) से ऊपर हो, या ऐसा कोई व्यक्ति शामिल है जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर) या उसके शासी मंडल के निदेशक को सीधे रिपोर्ट करता हो, या ऐसा कोई व्यक्ति शामिल है जिसका पद मुख्य कार्यपालक अधिकारी या प्रबंध निदेशक से दो स्तर तक नीचे हो, या कोई अन्य व्यक्ति शामिल है जिसकी पहचान उसकी नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा की जाए;
- (ट) नेटिंग से अभिप्रेत है मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के समाशोधन सदस्यों के शुद्ध भुगतान या सुपुर्दगी (डिलीवरी) की बाध्यताओं का समाशोधन निगम द्वारा निर्धारण करना, जो प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री से सामने आने वाली आपस की बाध्यताओं या सामने आने वाले दावों [जिसमें शामिल है - किसी समाशोधन सदस्य या व्यापारिक सदस्य या ग्राहक (क्लाइंट) के दिवालिया हो जाने पर, का परिसमापन (वाइंडिंग-अप) हो जाने या का समाधान (रेज़ोल्यूशन) हो जाने या ऐसी अन्य परिस्थितियों, जो समाशोधन निगम अपनी उप-विधियों में निर्धारित करे, की वजह से सामने आने वाले दावे या सामने आने वाली बाध्यताएँ जिसका निर्धारण समाशोधन निगम या स्टॉक एक्सचेंज द्वारा किया जाए] में से भावी तारीख को निपटान के लिए स्वीकृत लेनदेनों (ट्रांज़ैक्शन) को घटाने या समायोजित करने के बाद निकाला जाता है, ताकि केवल एक शुद्ध दावे की बाबत मांग की जा सके, या शुद्ध बाध्यता की ही देनदारी बने।

- (ठ) "नोवेशन" से अभिप्रेत है एक या एक से अधिक समाशोधन निगमों का प्रत्येक व्यापार (ट्रेड) के पक्षकारों (पार्टीज़) के बीच कानूनी प्रतिपक्षकार (काउंटरपार्टी) बनना;
- (ड) शेयरों या मताधिकारों या नियंत्रण के अर्जन (एक्विज़ीशन) या धारिता (होल्डिंग) के संदर्भ में "सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों" का, *यथावश्यक परिवर्तन सहित*, वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (थ) या उसके किन्हीं संशोधनों में उसके लिए नियत है;
- (ढ) "जनता" में जनता का कोई सदस्य या वर्ग शामिल है, किंतु जिसमें कोई व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) या उनके सहयोगी (असोसिएट) तथा एजेंट शामिल नहीं हैं;
- (ण) "लोक हित निदेशक" से ऐसा स्वतंत्र निदेशक अभिप्रेत है, जो प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करता हो और जिसका, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, ऐसा कोई संबंध (असोसिएशन) न हो जो बोर्ड की राय में उसकी भूमिका के विरोध में हो;
- (त) "मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम" से ऐसा समाशोधन निगम अभिप्रेत है, जिसे अधिनियम की धारा 8क के साथ पठित धारा 4 के तहत बोर्ड द्वारा मान्यता प्रदान की गई हो;
- (थ) "मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज" से ऐसा स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है, जिसे अधिनियम की धारा 4 के तहत बोर्ड द्वारा मान्यता प्रदान की गई हो;
- (द) "विनियामक विभाग" से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का ऐसा विभाग अभिप्रेत है जिसे विनियामक शक्तियाँ तथा कर्तव्य सौंपे गए हों और जिसमें ऐसा विभाग शामिल है जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;
- (ध) "नियमों" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 अभिप्रेत है;
- (न) "शेयरधारक निदेशक" से ऐसा निदेशक अभिप्रेत है जो शेयरधारकों के हित का प्रतिनिधित्व करता हो, और जिसे ऐसे शेयरधारकों द्वारा चुना गया हो या नामित किया गया हो, जो, यथास्थिति, व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर), या उनके सहयोगी (असोसिएट) तथा एजेंट न हों;
- (प) "व्यापारिक सदस्य" (ट्रेडिंग मेम्बर) से किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारिक (ट्रेडिंग) अधिकार रखने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है, और जिसमें स्टॉक दलाल शामिल है।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए और अपरिभाषित, किंतु अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 2013, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, या उनके तहत बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, उन अधिनियमों, उनके तहत बनाए गए नियमों या विनियमों अथवा उनके किसी कानूनी संशोधन या पुनःअधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों।

अध्याय-II

स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों की मान्यता

मान्यता प्राप्त करने की बाध्यता

3. कोई भी व्यक्ति किसी स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को संचालित नहीं करेगा, का गठन नहीं करेगा या का गठन करने में सहायता नहीं देगा, जब तक कि उसने अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के अनुसार बोर्ड से मान्यता प्राप्त न कर ली हो।

मान्यता के लिए आवेदन

4. अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के प्रावधानों के पालन के अधीन, स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता के लिए आवेदन बोर्ड के पास नियमों के नियम 3 के तहत यथा निर्धारित फॉर्म-क में प्रस्तुत किया जाएगा, और समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कॉरपोरेशन) के रूप में मान्यता के लिए आवेदन बोर्ड के पास इन विनियमों की अनुसूची-1 में यथा निर्धारित फॉर्म-क में प्रस्तुत किया जाएगा।

आवेदन के लिए फीस

5. स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता की मांग करने वाला आवेदक नियमों के नियम 4 के अनुसार आवेदन फीस अदा करेगा, और समाशोधन निगम के रूप में मान्यता की मांग करने वाला आवेदक भी उतनी ही फीस अदा करेगा, जितनी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा देय हो।

आवेदन के लिए दस्तावेज आदि

6. यथास्थिति, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में मान्यता के लिए आवेदन के साथ संगम ज्ञापन (मैमोरेन्डम ऑफ असोसिएशन), संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन), उप-विधियों (बाय-लॉज़) और अन्य दस्तावेजों की प्रति लगाई जाएगी, जैसा अधिनियम की धारा 3 तथा 4, नियमों के नियम 5 और इन विनियमों में प्रावधान किया गया है।

मान्यता प्रदान किए जाने पर विचार

7. (1) विनियम 4 के तहत आवेदन अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगा।
(2) स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में मान्यता की मांग करने वाला आवेदक निम्नलिखित शर्तों का पालन करेगा, अर्थात् :-

- (क) आवेदक शेयरों द्वारा सीमित एक कंपनी हो;
- (ख) आवेदक का अपरस्परीकरण (डीम्यूचुराइज़ेशन) हो चुका हो;
- (ग) आवेदक, उसके निदेशक और उसके शेयरधारक (जो शेयर धारण करते हों या धारण करने का इरादा रखते हों) उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हों, जैसा विनियम 20 में निर्धारित है;
- (घ) आवेदक इन विनियमों में निर्धारित स्वामित्व तथा संचालन (गवर्नेंस) संबंधी ढाँचे से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करता हो;
- (ङ) आवेदक इन विनियमों में निर्धारित शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता हो;
- (च) आवेदक के पास अपेक्षित क्षमता हो, जिसमें उसकी वित्तीय क्षमता, कार्य-संबंधी विशेषज्ञता और बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर) शामिल हैं।

स्पष्टीकरण - इस उप-विनियम के प्रयोजनार्थ, शब्द "अपरस्परीकरण" से यह अभिप्रेत है कि आवेदक का स्वामित्व और प्रबंध-मंडल, इन विनियमों के अनुसार, यथास्थिति, व्यापारिक (ट्रेडिंग) अधिकारों या समाशोधन (क्लीयरिंग) के अधिकारों से अलग हो चुका है।

- (3) स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता की मांग करने वाला आवेदक, उप-विनियम (1) तथा (2) में यथा निर्धारित शर्तों के अतिरिक्त, निम्नलिखित शर्तों का पालन करेगा, अर्थात्:-

- (क) आवेदक के पास आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर) हों, ताकि व्यापार (ट्रेड) सुव्यवस्थित तरीके से हो सके;
- (ख) आवेदक के पास ऑन-लाइन स्क्रीन-आधारित व्यापारिक प्रणाली (ट्रेडिंग सिस्टम) हो;
- (ग) आवेदक के पास निगरानी करने की ऑन-लाइन व्यवस्था हो जो वास्तविक-समय (रियल टाइम) में स्थितियों (पोजीशन), कीमतों और मात्राओं पर नज़र रखती हो, ताकि बाजार की सत्यनिष्ठा सुनिश्चित हो सके;
- (घ) आवेदक के पास उसके प्लेटफॉर्म पर व्यापार (ट्रेडिंग) हेतु प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को सूचीबद्ध (लिस्ट) करने के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर) हो, जहाँ कहीं भी लागू हो;
- (ङ) आवेदक के पास व्यापारिक सदस्यों (ट्रेडिंग मेम्बर्स) का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क रखने की आवश्यक क्षमता हो और उसके पास अपने सदस्यों को शामिल किए जाने तथा उन्हें विनियमित किए जाने की पर्याप्त सुविधा हो;
- (च) आवेदक ने अपने व्यापारिक सदस्यों और समाशोधन निगम के साथ संयोजकता (कनेक्टिविटी) स्थापित करने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लिए हों;
- (छ) आवेदक की निवेशक संरक्षण निधि और निवेशक सेवा निधि पर्याप्त हों;
- (ज) आवेदक के पास निवेशक शिकायत निवारण की यथोचित व्यवस्था हो और व्यापारों (ट्रेड) तथा उनके निपटान (सेटलमेंट) से सामने आने वाले विवादों का निपटारा करने के लिए माध्यस्थ व्यवस्था (आर्बिट्रेशन मैकेनिज़्म) हो;

- (झ) आवेदक के पास व्यापारों (ट्रेड्स), मात्राओं और बोलियों (कोट्स) से संबंधित जानकारी, वास्तविक-समय (रियल टाइम) में, जानकारी देने वाले कम से कम ऐसे दो नेटवर्कों (वेंडिंग नेटवर्क) तक पहुंचाने की सुविधा है, जिन तक देश के निवेशकों की पहुंच हो;
- (ञ) आवेदक की प्रणालियों की क्षमता पर्याप्त हो, जो सतत कारबार योजना (आपदा से उबरने की व्यवस्था सहित) से समर्थित हो;
- (ट) आवेदक के यहाँ पर्याप्त संख्या में ऐसे व्यक्ति कार्यरत हों, जिनके पास पेशे से संबंधित पर्याप्त अनुभव और अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी पर्याप्त अनुभव हो;
- (ठ) कारबार संभाव्यता योजना (बिजनेस फीजेबिलिटी प्लान) का मूल्यांकन प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी प्रतिष्ठित एजेंसी द्वारा कर लिया गया हो; और
- (ड) कोई अन्य शर्तें, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएँ।
- (4) समाशोधन निगम के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक, उप-विनियम (1) तथा (2) में यथा निर्धारित शर्तों के अतिरिक्त, निम्नलिखित शर्तों का पालन करेगा, अर्थात्:-
- (क) आवेदक के पास व्यापारों (ट्रेड) का समाशोधन और निपटान समय पर सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर) हों;
- (ख) आवेदक की जोखिम प्रबंधन व्यवस्था पर्याप्त हो;
- (ग) आवेदक ने निपटान की प्रक्रिया निर्धारित की हुई हो, जिसमें नैटिंग, नोवेशन और व्यापारों के निपटान हेतु गारंटी शामिल है, जो उसी प्रकार किया जाता हो जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;
- (घ) आवेदक के पास व्यापारों के निपटान की गारंटी के लिए निधि (फंड) स्थापित करने की क्षमता हो;
- (ङ) आवेदक के पास समाशोधन सदस्यों (क्लीयरिंग मेम्बर्स) का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क रखने के लिए आवश्यक क्षमता हो और उसके पास अपने सदस्यों को शामिल किए जाने तथा उन्हें विनियमित किए जाने के लिए पर्याप्त सुविधा हो;
- (च) आवेदक ने निक्षेपागारों (डिपॉजिटरीज़), समाशोधन (क्लीयरिंग) बैंकों, स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन सदस्यों के साथ संयोजकता (कनेक्टिविटी) स्थापित कर ली हो;
- (छ) जिन व्यापारों (ट्रेड) का समाशोधन तथा निपटान हुआ हो, उनके संबंध में ऑन-लाइन / वास्तविक-समय (रियल टाइम) में जोखिम प्रबंधन करने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध प्रणालियों की क्षमता पर्याप्त हो, और जो उपयुक्त सतत कारबार योजना (आपदा से उबरने की व्यवस्था सहित) से समर्थित हो;
- (ज) आवेदक के यहाँ पर्याप्त संख्या में ऐसे व्यक्ति कार्यरत हों, जिनके पास पेशे से संबंधित पर्याप्त अनुभव और अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी पर्याप्त अनुभव हो और जिससे बोर्ड संतुष्ट हो;
- (झ) आवेदक के पास व्यापारों के समाशोधन और निपटान की वजह से सामने आने वाले विवादों का निपटारा करने और शिकायतों का निवारण करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ हों;
- (ञ) व्यापारों के समाशोधन और निपटान के संबंध में आवेदक ने निक्षेपागार के साथ और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के साथ करार (एग्रीमेंट) किया हुआ हो;
- (ट) कारबार संभाव्यता योजना (बिजनेस फीजेबिलिटी प्लान) का मूल्यांकन प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी प्रतिष्ठित एजेंसी द्वारा कर लिया गया हो; और
- (ठ) कोई अन्य शर्तें, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएँ।
- (5) बोर्ड, इस विनियम में दी हुई शर्तों का पालन करने के संबंध में आवेदक की क्षमता से संतुष्ट हो जाने पर, आवेदक को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर सकेगा जो एक वर्ष की अवधि तक वैध रहेगी:
- परंतु यह कि बोर्ड, आवेदक द्वारा पर्याप्त कारण दर्शाए जाने पर, सैद्धांतिक मंजूरी की वैधता को अधिक से अधिक और छह महीनों की अवधि या ऐसी अन्य अवधि के लिए बढ़ा सकेगा, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।
- (6) मान्यता हेतु आवेदन उसी प्रकार किया जाएगा, जैसा इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-घ के तहत निर्धारित है।

जाँच करने और जानकारी मंगाने की शक्ति

8. बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को मान्यता प्रदान करने से पहले, जाँच कर सकेगा और ऐसी अतिरिक्त जानकारी या दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा कर सकेगा, जैसा वह ठीक समझे।

मान्यता प्रदान करना

9. (1) बोर्ड, विनियम 4 के तहत आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, तथा इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि आवेदक ने विनियम 7 में दी हुई शर्तों का पालन कर लिया है और वह, यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के रूप में कार्य करने के लिए पात्र है, अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज मार्केट) के हित में, आवेदक को मान्यता प्रदान कर सकेगा।
- (2) उप-विनियम (1) के तहत स्टॉक एक्सचेंज को मान्यता नियमों के फॉर्म-ख में प्रदान की जाएगी।
- (3) समाशोधन निगम को मान्यता इन विनियमों की अनुसूची-1 के फॉर्म-ख में प्रदान की जाएगी।
- (4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम ऐसी अन्य शर्तों, जिनमें उन प्रतिभूतियों के स्वरूप से संबंधित शर्तें शामिल हैं [जिनका लेनदेन (डीलिंग) किया जाना हो] का पालन करेंगे, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएँ।

मान्यता की अवधि

10. (1) स्टॉक एक्सचेंज को प्रदान की जाने वाली मान्यता की अवधि नियमों के नियम 6 के अनुसार होगी।
- (2) समाशोधन निगम को प्रदान की जाने वाली मान्यता, जब तक कि स्थायी आधार पर प्रदान न की जाए, एक वर्ष से अधिक ऐसी अवधि के लिए होगी जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।

विनियामक फीस

11. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक एक्सचेंजों पर विनियामक फीस) विनियम, 2006 के अनुसार विनियामक (रेग्युलेटरी) फीस अदा करेगा।
- (2) प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम विनियामक फीस अदा करेगा, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।

मान्यता का नवीकरण

12. (1) नियमों के नियम 7 के अतिरिक्त, इन विनियमों के प्रावधान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की मान्यता के नवीकरण के लिए किए जाने वाले आवेदन के संबंध में भी उसी प्रकार लागू होंगे, जैसे वे स्टॉक एक्सचेंज को मान्यता प्रदान किए जाने के संबंध में लागू होते हैं।
- (2) मान्यता के नवीकरण की मांग करने वाला मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, बोर्ड के पास इन विनियमों की अनुसूची-1 के फॉर्म-क में आवेदन करेगा और ऐसा आवेदन मान्यता समाप्त होने की तारीख से कम से कम तीन महीने पहले बोर्ड के पास पहुंच जाए।
- (3) इन विनियमों के प्रावधान मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की मान्यता के नवीकरण के लिए किए जाने वाले आवेदन के संबंध में भी उसी प्रकार लागू होंगे, जैसे वे समाशोधन निगम को मान्यता प्रदान किए जाने के संबंध में लागू होते हैं।
- (4) स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता के नवीकरण की मांग करने वाले आवेदक नियमों के नियम 7 के अनुसार फीस अदा करेगा, और समाशोधन निगम के रूप में मान्यता के नवीकरण की मांग करने वाला आवेदक भी उतनी ही फीस अदा करेगा, जितनी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा देय हो।
- (5) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, यथास्थिति, विनियम 7 के उप-विनियम (3) तथा उप-विनियम (4) में निर्धारित लागू शर्तों का, सतत आधार पर, पालन करेंगे।

मान्यता वापस लिया जाना

13. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को प्रदान की गई मान्यता उसी प्रकार वापस ली जा सकेगी, जैसा अधिनियम की धारा 5 के तहत उल्लेख है।

अध्याय-III

स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ)

शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) संबंधी अपेक्षाएँ

14. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की न्यूनतम शुद्ध-मालियत हमेशा एक सौ करोड़ रुपये की रहेगी।
- (2) विनियम 4 के तहत समाशोधन निगम के रूप में मान्यता की मांग करने वाले प्रत्येक आवेदक की न्यूनतम शुद्ध-मालियत एक सौ करोड़ रुपये की रहेगी।
- (3) (क) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, कामकाज शुरू होने के बाद, सतत आधार पर, उतनी पूँजी [प्रतिधारित (रिटेन्ड) आमदनी तथा आरक्षितियों (रिज़र्व्स) सहित] बनाए रखेगा, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए, जो प्रतिपक्षकार के ऋण जोखिम (काउंटरपार्टी क्रेडिट रिस्क), कारबार जोखिम, कानूनी तथा कामकाज संबंधी जोखिम से बचने के लिए पर्याप्त हो।
- (ख) प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम सुव्यवस्थित तरीके से कामकाज को बंद करने (वाइंड-डाउन करने) के लिए या कामकाज की बहाली के लिए जरूरी खर्चों को पूरा करने हेतु अतिरिक्त पूँजी रखेगा।
- (ग) प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की शुद्ध-मालियत हमेशा कम से कम एक सौ करोड़ रुपये की रहेगी या वह विनियम 14(3)(क) तथा 14(3)(ख) के तहत यथा निर्धारित पूँजी, जो भी अधिक हो, हमेशा रखेगा।
- (4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम अपने शेयरधारकों को किसी भी प्रकार से मुनाफों का वितरण तब तक नहीं करेगा, जब तक, यथास्थिति, उप-विनियम (1), (2) तथा (3) के तहत निर्धारित शुद्ध-मालियत संबंधी अपेक्षा पूरी न हो जाए।
- (5) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, वार्षिक आधार पर, पिछले वित्तीय वर्ष के लिए कानूनी लेखापरीक्षक (स्टैट्यूटरी ऑडिटर) की ओर से शुद्ध-मालियत का लेखापरीक्षित प्रमाणपत्र, प्रत्येक वर्ष सितम्बर के तीसवें दिन तक प्रस्तुत करेगा।

स्पष्टीकरण I:- इस विनियम के प्रयोजनार्थ, 'स्टॉक एक्सचेंज की शुद्ध-मालियत' से समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी तथा खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) [कानूनी तौर पर रखी जाने वाली निधियों (स्टैट्यूटरी फंड), लाभ निधियों (बेनिफिट फंड) और पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्युएशन) से बनाई गई आरक्षितियों को छोड़कर] के कुल मूल्य में से कारबार में किए गए निवेश, चाहे संबंधित हों या न हों, संचित हानियों तथा बट्टे खाते न डाले गए आस्थगित व्यय (जिसमें बट्टे खाते न डाले गए विविध व्यय शामिल हैं) के कुल मूल्य को घटाकर निकाला गया मूल्य अभिप्रेत है।

स्पष्टीकरण-II - इस विनियम के प्रयोजनार्थ, "समाशोधन निगम की शुद्ध-मालियत" से अर्थसुलभ आस्तियों (लिक्विड असेट्स) का कुल मूल्य अभिप्रेत है, जिसकी गणना बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए गए तरीके से की गई हो।

अध्याय-IV

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों का स्वामित्व

परिभाषाएँ

15. इस अध्याय के प्रयोजनार्थ:

- (1) "बैंककारी कंपनी" का वही अर्थ होगा जो बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के खंड (ग) में इसके लिए नियत है;
- (2) "बीमा कंपनी" का वही अर्थ होगा जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 2 की उप-धारा (8) में इसके लिए नियत है;
- (3) "भारत में निवास करने वाले व्यक्ति" का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खंड (फ) में इसके लिए नियत है;
- (4) "भारत के बाहर निवास करने वाले व्यक्ति" का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खंड (ब) में इसके लिए नियत है;
- (5) "लोक वित्तीय संस्था" का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 की उप-धारा (72) में इसके लिए नियत है।

सामान्य शर्तें

- 16.** (1) इन विनियमों में जैसा प्रावधान किया गया है उसके सिवाय, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में किसी व्यक्ति की शेयरधारिता या मताधिकार, किसी भी समय, इन विनियमों में निर्धारित सीमाओं से अधिक नहीं होंगे।
- (2) इस अध्याय में यथा उल्लिखित शेयरधारिता में, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन ऐसी किसी लिखत (इंस्ट्रुमेंट) को शामिल किया जाएगा, जिसके जरिए किसी भावी तारीख को इक्विटी या इक्विटी पर अधिकारों की हकदारी हो जाती हो।

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरधारिता

- 17.** (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सार्वजनिक धारिता (होल्डिंग), उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के इक्यावन प्रतिशत से कम नहीं होगी।
- (2) भारत में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा:

परंतु यह कि, -

- (क) स्टॉक एक्सचेंज;
- (ख) निक्षेपागार;
- (ग) बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (घ) बीमा कंपनी; और
- (ङ) लोक वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेंगे।

- (3) भारत के बाहर निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा:

परंतु यह कि, -

- (क) विदेशी स्टॉक एक्सचेंज;
- (ख) विदेशी निक्षेपागार;
- (ग) विदेशी बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (घ) विदेशी बीमा कंपनी;
- (ङ) विदेशी कमोडिटी व्युत्पन्नी (डेरिवेटिव) एक्सचेंज; और
- (च) केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित द्विपक्षीय या बहुपक्षीय वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेंगे।

स्पष्टीकरण – इस परंतुक के प्रयोजनार्थ, खंड (क) से (च) में उल्लिखित व्यक्तियों से भारत के बाहर मान्यताप्राप्त / निगमित व्यक्ति अभिप्रेत होंगे।

- (4) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अन्यथा निर्धारित की जाने वाली सीमाओं के अध्वधीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी में भारत के बाहर निवास करने वाले सभी व्यक्तियों की कुल धारिता, किसी भी समय, उसकी कुल समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के उनचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

- (5) कोई भी समाशोधन निगम किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में, कोई अधिकार, हिस्सा (स्टेक) या हित, फिर चाहे वह किसी भी स्वरूप का हो, धारण नहीं करेगा।

मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में शेयरधारिता

- 18.(1) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की पूँजी संरचना (कैपिटल स्ट्रक्चर) इस प्रकार होगी कि उसकी समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी का कम से कम इक्यावन प्रतिशत हमेशा एक या एक से अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा धारित होगा:

परंतु यह कि कोई भी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, या तो अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, एक से अधिक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा।

- (2) भारत में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को छोड़कर जिसे उप-विनियम (1) के तहत मंजूरी दी गई हो, किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा:

परंतु यह कि, -

- (क) निक्षेपागार;
- (ख) बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (ग) बीमा कंपनी; और
- (घ) लोक वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेंगी।

- (3) भारत के बाहर निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा:

परंतु यह कि, -

- (क) विदेशी स्टॉक एक्सचेंज;
- (ख) विदेशी निक्षेपागार;
- (ग) विदेशी बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (घ) विदेशी बीमा कंपनी;
- (ङ) विदेशी कमोडिटी व्युत्पत्ती (डेरिवेटिव) एक्सचेंज; और
- (च) केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित द्विपक्षीय या बहुपक्षीय वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेंगी।

स्पष्टीकरण – इस परंतुक के प्रयोजनार्थ, खंड (क) से (च) में उल्लिखित व्यक्तियों से भारत के बाहर मान्यताप्राप्त / निगमित व्यक्ति अभिप्रेत होंगे।

- (4) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अन्यथा निर्धारित की जाने वाली सीमाओं के अध्यधीन, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी में भारत के बाहर निवास करने वाले सभी व्यक्तियों की कुल धारिता, किसी भी समय, उसकी कुल समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के उनचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

शेयर अर्जित करने या धारण करने के लिए पात्रता

- 19.** (1) कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के इक्विटी शेयर या मताधिकार, तब तक अर्जित या धारण नहीं करेगा, जब तक कि वह उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति न हो:
- परंतु यह कि यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम पर होगी कि उसके सभी शेयरधारक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हों:
- परंतु यह और कि यह सुनिश्चित करने की ऐसी अपेक्षा, कि उसके सभी शेयरधारक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हों, सूचीबद्ध मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के मामले में उस व्यक्ति की शेयरधारिता के संबंध में लागू नहीं होगी, जो, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, ऐसे सूचीबद्ध मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के दो प्रतिशत से कम इक्विटी शेयर या मताधिकार अर्जित या धारण करता हो।
- (2) कोई व्यक्ति जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के इक्विटी शेयरों या मताधिकारों का अर्जन, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, करता हो और जिससे अर्जन करने वाले ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) को दो प्रतिशत से लेकर पाँच प्रतिशत तक मताधिकारों का प्रयोग करने का हक मिल जाता हो, तो वह (वे) व्यक्ति ऐसे अर्जन से पंद्रह दिनों के भीतर बोर्ड की मंजूरी लेगा (लेंगे)।
- (3) कोई व्यक्ति जो विनियम 17 के उप-विनियम (2) तथा उप-विनियम (3) और विनियम 18 के उप-विनियम (2) तथा उप-विनियम (3) के तहत समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित करने या धारण करने का पात्र हो, वह व्यक्ति मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण केवल तभी कर सकेगा, जब वह बोर्ड की पूर्व मंजूरी ले ले।
- (4) इस विनियम के उप-विनियम (2) या उप-विनियम (3) के अनुसार मंजूरी लेने के लिए आवेदन बोर्ड के पास संबंधित स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के माध्यम से अनुसूची- II के भाग-च में निर्धारित तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा।
- (5) स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम शेयरधारकों द्वारा उप-विनियम (4) के तहत प्रस्तुत की गई घोषणाओं/वचनों का सत्यापन करेगा और अपनी सिफारिश के साथ आवेदन बोर्ड की मंजूरी के लिए भिजवाएगा।
- (6) यदि बोर्ड द्वारा किसी व्यक्ति को उप-विनियम (2) के तहत मंजूरी प्रदान नहीं की जाती, तो ऐसा व्यक्ति मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में अपनी पूरी शेयरधारिता तुरंत बेच देगा।
- (7) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का दो प्रतिशत या उससे अधिक धारण करने वाला कोई व्यक्ति मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के पास, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के समाप्त होने से पंद्रह दिनों के भीतर, यह घोषणा प्रस्तुत करेगा कि वह इन विनियमों में निर्धारित उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी मानदंडों पर खरा उतरता है।

शेयरधारिता संबंधी सीमा की निगरानी

19क. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम निगरानी की व्यवस्था निर्धारित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-छ में निर्धारित शेयरधारिता संबंधी शर्तों का हमेशा पालन हो।

उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी अपेक्षा

- 20.** (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम यह सुनिश्चित करेगा कि उसके सभी निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति हमेशा उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति रहें।
- (2) इन विनियमों के प्रयोजनार्थ, किसी व्यक्ति को उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति समझा जाएगा यदि -
- (क) ऐसा व्यक्ति प्रतिष्ठित व्यक्ति हो और उसके निष्पक्षता तथा सत्यनिष्ठा का रिकार्ड हो, जिसमें निम्नलिखित शामिल है, किंतु जो निम्नलिखित तक ही सीमित नहीं है -
- (i) वित्तीय सत्यनिष्ठा (फाइनेंशियल इंटीग्रिटी);
 - (ii) प्रतिष्ठित और अच्छे चरित्र का हो; और
 - (iii) ईमानदार हो;

(ख) ऐसा व्यक्ति निम्नानुसार किसी भी प्रकार से अयोग्य न हुआ हो -

- (i) ऐसे व्यक्ति अथवा उसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों (मैनेजिंग पार्टनर्स) में से किसी को किसी अपराध, जिसमें नैतिक अधमता या कोई आर्थिक अपराध शामिल हो, के लिए या प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉज़) के संबंध में किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया हो;
- (ii) ऐसे व्यक्ति के खिलाफ परिसमापन (वाइंडिंग-अप) का आदेश पारित किया गया हो;
- (iii) ऐसे व्यक्ति अथवा उसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी को दिवालिया घोषित किया गया हो और बरी न किया गया हो;
- (iv) ऐसे व्यक्ति अथवा उसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी को प्रतिभूतियों में लेनदेन (डीलिंग) करने से या प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) में पहुंच रखने से रोकते हुए, प्रतिषिद्ध करते हुए या विवर्जित करते हुए, कोई आदेश बोर्ड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण (रेग्युलेटरी अथॉरिटी) द्वारा पारित किया गया हो, और आदेश में निर्धारित अवधि की समाप्ति की तारीख से तीन वर्षों की अवधि बीती न हो;
- (v) ऐसे व्यक्ति अथवा उसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी के खिलाफ कोई अन्य आदेश, जो प्रतिभूति बाजार से संबंधित हो, बोर्ड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया हो, और आदेश की तारीख से तीन वर्षों की अवधि बीती न हो;
- (vi) बोर्ड ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के तहत वसूली कार्यवाहियाँ शुरू की हों और जो चल रही हों;
- (vii) सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा यह निष्कर्ष निकाला गया हो कि व्यक्ति की दिमागी हालत ठीक नहीं है और वह निष्कर्ष अब भी लागू हो; और
- (viii) ऐसे व्यक्ति की वित्तीय स्थिति अच्छी न हो या उसे इरादतन चूककर्ता (विलफुल डिफॉल्टर) की श्रेणी में रखा गया हो;
- (ix) कोई अन्य अयोग्यता, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(3) यदि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा लिए गए निर्णय कि क्या कोई व्यक्ति 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' है के संबंध में कोई प्रश्न उठता है, तो ऐसे प्रश्न के संबंध में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

शेयरधारिता का प्रकटीकरण

21. (1) अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बोर्ड को, बोर्ड द्वारा निर्धारित फॉर्मेट में, प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पंद्रह दिनों के भीतर तिमाही आधार पर अपना शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहोल्डिंग पैटर्न) प्रकट करेगा (करेंगे), जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे :-

(क) दस बड़े शेयरधारकों के नाम और उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या तथा प्रतिशत;

(ख) विनियम 17 तथा 18 के तहत आने वाले शेयरधारकों के नाम जिन्होंने उस तिमाही में शेयर अर्जित किए थे।

(2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम हमेशा इस अध्याय के पालन पर नज़र रखेंगे और उसे सुनिश्चित करेंगे।

रिकॉर्ड रखना

22. अन्य लागू विधियों के तहत दी हुई अपेक्षाओं के अतिरिक्त, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज तथा मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम कम से कम आठ वर्षों की अवधि तक अपनी प्रतिभूतियों के निर्गमन (इश्यू) या अंतरण (ट्रांसफर) से संबंधित समस्त बहियाँ, रजिस्टर, अन्य दस्तावेज और रिकॉर्ड रखेंगे और उन्हें सुरक्षित रखेंगे।

अध्याय-V

स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों का संचालन (गवर्नेंस)

शासी मंडल की संरचना

23. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में शामिल होंगे:

- (क) शेयरधारक निदेशक;
- (ख) लोक हित निदेशक; और

(ग) प्रबंध निदेशक।

- (2) बोर्ड की पूर्व मंजूरी के अध्यक्षीन, शासी मंडल द्वारा लोक हित निदेशकों में से अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।
- (3) लोक हित निदेशकों की संख्या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में शेयरधारक निदेशकों की संख्या से कम नहीं होगी।
- (4) प्रबंध निदेशक को शेयरधारक निदेशकों के वर्ग में शामिल किया जाएगा।
- (5) प्रबंध निदेशक के अलावा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के किसी कर्मचारी को शासी मंडल में नियुक्त किया जा सकेगा, और ऐसे निदेशक को शेयरधारक निदेशक समझा जाएगा।
- (6) कोई भी व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) या उसके सहयोगी (असोसिएट) और एजेंट, फिर चाहे वे किसी भी स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के सदस्य हों, किसी भी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में नहीं होंगे।
- (7) ऊपर उप-विनियम (6) के प्रयोजनार्थ, कोई व्यक्ति जो ऐसी एंटीटी में निदेशक हो, जो स्वयं व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) हो या जिसका (जिसके) सहयोगी व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) हो (हों), उसे समाशोधन सदस्य या व्यापारिक सदस्य माना जाएगा:

परंतु यह कि उप-विनियम (6) के प्रयोजनार्थ किसी व्यक्ति को समाशोधन सदस्य और / या व्यापारिक सदस्य या उनका सहयोगी नहीं माना जाएगा, यदि वह ऐसी लोक वित्तीय संस्था या उस बैंक के बोर्ड में हो जो सार्वजनिक क्षेत्र में हो, या जिसका कोई ऐसा अंतिम संप्रवर्तक (प्रमोटर) न हो जिसकी पहचान की जा सके, या जिसका अंतिम संप्रवर्तक सार्वजनिक क्षेत्र में हो या जिसकी शेयरधारिता फैली हुई हो, और ऐसी लोक वित्तीय संस्था या बैंक या उसका सहयोगी समाशोधन सदस्य और / या व्यापारिक सदस्य हो।

परंतु यह और कि लोक वित्तीय संस्था या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के सहयोगियों (जो समाशोधन सदस्य और / या व्यापारिक सदस्य हो) के स्वतंत्र निदेशक, और जिस सहयोगी में ऐसी लोक वित्तीय संस्था या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की अधिकांश शेयरधारिता हो, को उप-विनियम (6) के प्रयोजनार्थ समाशोधन सदस्य और / या व्यापारिक सदस्य नहीं माना जाएगा।

- (8) निदेशक की नियुक्ति अन्य अपेक्षाओं को पूरा किए जाने और बोर्ड के संतुष्ट हो जाने के अध्यक्षीन की जाएगी।
- (9) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम सतत आधार पर उप-विनियम (6) के पालन पर नज़र रखेगा और उसे सुनिश्चित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके शासी मंडल में नियुक्त निदेशक, नियुक्ति की मंजूरी दिए जाने के बाद व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य से न जुड़ें।
- (10) शासी मंडल की बैठक के लिए कोरम में लोक हित निदेशकों की संख्या शेयरधारक निदेशकों की संख्या से कम नहीं होगी।
- (11) शासी मंडल की बैठक में संकल्प के लिए किया गया मतदान तभी मान्य होगा, जब ऐसे लोक हित निदेशकों की संख्या जिन्होंने ऐसे संकल्प के संबंध में मतदान किया हो, ऐसे शेयरधारक निदेशकों की संख्या के बराबर हो या उससे अधिक हो जिन्होंने ऐसे संकल्प के संबंध में मतदान किया हो।
- (12) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल की बैठकों में निर्णायक मत शासी मंडल के अध्यक्ष का होगा।
- (13) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में किसी भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें

24. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में सभी शेयरधारक निदेशकों की नियुक्ति और पुनःनियुक्ति बोर्ड की पूर्व मंजूरी से ही की जाएगी।

- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के शासी मंडल में लोक हित निदेशक बोर्ड द्वारा नामित किए जाएंगे।
- (3) लोक हित निदेशक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नामित किए जाएंगे, तथा उसके कार्य-निष्पादन की उसी प्रकार समीक्षा किए जाने के अध्यक्षीन, यह कार्यकाल और तीन वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए:

परंतु यह कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में कार्यकाल (कार्यकालों) के समाप्त हो जाने के बाद, लोक हित निदेशक को अन्य मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) में तीन वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए नामित किया जा सकेगा, और ऐसा केवल एक वर्ष की विराम-अवधि (क्लिंग ऑफ पीरियड) बीतने के बाद ही किया जा सकेगा:

परंतु यह और कि किसी व्यक्ति को, पचहत्तर वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अध्यधीन, किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों / निक्षेपागारों में कुल मिलाकर अधिकतम तीन बार ही लोक हित निदेशक के रूप में नामित किया जा सकेगा।

- (4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के बोर्ड में लोक हित निदेशक एक ही समय पर उसकी समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में अथवा किसी अन्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम या निक्षेपागार के बोर्ड में अथवा ऐसे अन्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम या निक्षेपागार की समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में निदेशक के रूप में कार्य नहीं करेगा।
- (5) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के बोर्ड में लोक हित निदेशक अपने शासी मंडल को ऐसे किसी हित-विरोध से अवगत कराता रहेगा, जो लोक हित निदेशक द्वारा, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) या व्यापारित (ट्रेडेड) कंपनी, या व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य या उनके सहयोगियों (असोसिएट) और एजेंटों को सेवाएँ प्रदान करने की वजह से हो सकता हो।
- (6) कोई भी लोक हित निदेशक तब तक शेरधारक निदेशक नहीं बनेगा, जब तक कि उसके लोक हित निदेशक के पद से हटने के बाद से तीन वर्षों की विराम-अवधि न बीत जाए।
- (7) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के बोर्ड में कोई भी लोक हित निदेशक, यथास्थिति, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में तब तक निदेशक नहीं बनेगा, जब तक कि उसके लोक हित निदेशक के पद से हटने के बाद से तीन वर्षों की विराम-अवधि न बीत जाए।
- (8) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के बोर्ड में लोक हित निदेशक एक ही समय पर उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की पाँच से अधिक समितियों में सदस्य के रूप में कार्य नहीं करेगा।
- (9) लोक हित निदेशकों को पारिश्रमिक केवल बैठक शुल्क (सिटिंग फीस) के भुगतान के रूप में दिया जाएगा, जो कंपनी अधिनियम, 2013 में स्वतंत्र निदेशकों के लिए अनुमत हो।
- (10) यदि कोई ऐसा प्रश्न उठता है कि क्या लोक हित निदेशक को सौंपा गया जिम्मा या उसका पद उसकी भूमिका के विरोध में है, तो ऐसे में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।
- (11) निदेशकों की नियुक्ति के लिए आवेदन उसी प्रकार किया जाएगा, जैसा इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-ज के तहत उल्लेख किया गया है।

प्रबंध निदेशक की नियुक्ति

25. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति, नियुक्ति का नवीकरण और सेवा की समाप्ति बोर्ड की पूर्व मंजूरी लेकर की जाएगी।

(2) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अध्यधीन, प्रबंध निदेशक के चयन / नियुक्ति के संबंध में अर्हता (योग्यता), नियुक्ति का तरीका, नियुक्ति की शर्तें आदि और प्रक्रिया-संबंधी अन्य औपचारिकताओं का निर्धारण करेगा।

(3) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति अधिक से अधिक पाँच वर्षों के कार्यकाल के लिए की जाएगी:

परंतु यह कि प्रबंध निदेशक के रूप में पहला कार्यकाल पूरा होने के बाद, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम नए सिरे से नियुक्ति की प्रक्रिया अपनाएगा:

परंतु यह और कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा किसी व्यक्ति को, पैंसठ वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अध्यधीन, किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में कुल मिलाकर अधिकतम दो कार्यकालों (प्रत्येक पाँच वर्ष का) के लिए ही प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा।

(4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रबंध निदेशक -

(क) यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का शेयरधारक अथवा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शेयरधारक का सहयोगी अथवा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के सहयोगी का शेयरधारक नहीं होगा;

(ख) व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य, या उसका सहयोगी और एजेंट, अथवा व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य का शेयरधारक अथवा व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य के सहयोगी और एजेंट का शेयरधारक नहीं होगा; या

(ग) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी (सब्स्टियरी) में या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की किसी अन्य सहयोगी एंटीटी में एक ही समय में किसी पद पर नहीं होगा:

परंतु यह कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति शासी मंडल में की जा सकेगी, किंतु मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी (सब्स्टियरी) के प्रबंध निदेशक के रूप में नहीं की जा सकेगी।

(5) यदि प्रबंध निदेशक बोर्ड द्वारा जारी किए गए निदेशों, दिशानिर्देशों तथा अन्य आदेशों, या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के नियमों, संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन), उप-विधियों (बाय-लॉज़) और विनियमों का पालन करने में असफल रहता हो, तो बोर्ड की पूर्व मंजूरी लेकर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल द्वारा उसे सेवाओं से हटाया जा सकेगा या उसकी सेवाएँ समाप्त की जा सकेंगी।

(6) बोर्ड स्वप्रेरणा से प्रबंध निदेशक को हटा सकेगा या उसकी नियुक्ति को समाप्त कर सकेगा, यदि ऐसा करना प्रतिभूति बाजार के हित में ठीक समझा जाए:

परंतु यह कि किसी भी प्रबंध निदेशक को तब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक कि उसे सुनवाई का उचित अवसर न दे दिया जाए।

(7) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के संबंध में इस विनियम में निर्धारित शर्तें उस व्यक्ति पर भी लागू होंगी, जो इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम में प्रबंध निदेशक के पद पर हो।

स्पष्टीकरण: उप-विनियम (7) के प्रयोजनार्थ, मौजूदा कार्यकाल पूरा होने के बाद ही यह विनियम लागू होगा और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल में प्रबंध निदेशक द्वारा पहले पूरे किए गए कार्यकाल (कार्यकालों) पर भी, पात्रता का निर्धारण करते समय, विचार किया जाएगा।

निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के लिए आचार संहिता

26. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-क के तहत निर्धारित आचार संहिता का पालन करेगा।

(2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक और प्रबंध-मंडल का मुख्य व्यक्ति इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-ख के तहत निर्धारित सदाचार संहिता का पालन करेगा।

(3) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक और प्रबंध-मंडल का प्रत्येक मुख्य व्यक्ति विनियम 20 के अनुसार उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी मानदंड सदैव पूरा करेगा।

(4) बोर्ड, निदेशकों द्वारा इन विनियमों या आचार संहिता या सदाचार संहिता का पालन करने में किसी भी तरह से असफल रहने पर या किसी हित-विरोध के मामले में, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की ओर से जानकारी मिलने पर या स्वप्रेरणा से, उपयुक्त कार्रवाई कर सकेगा, जिसमें किसी निदेशक को हटाया जाना या उसकी नियुक्ति को समाप्त करना शामिल है, और ऐसा उसे सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद ही किया जाएगा।

प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को प्रतिकर (कॉम्पेनसेशन) और उनका कार्यकाल

27. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन करेगा, जिसमें अधिकांश लोक हित निदेशक होंगे और जिसका अध्यक्ष एक लोक हित निदेशक होगा।

(2) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों का प्रतिकर, प्रतिकर संबंधी नीति के अनुसार निर्धारित करेगी।

- (3) प्रतिकर संबंधी नीति इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-I के तहत प्रतिकर संबंधी नीति के लिए निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार होगी।
- (4) प्रबंध निदेशक को अदा किए जाने वाला प्रतिकर उतना ही होगा जितना बोर्ड द्वारा मंजूर किया जाए, और प्रबंध निदेशक के प्रतिकर की शर्तों आदि में बदलाव, बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना, नहीं किया जाएगा।
- (5) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को दिया जाने वाला प्रतिकर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के तहत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की रिपोर्ट में प्रकट किया जाएगा।
- (6) उप-विनियम (5) के तहत रिपोर्ट में यह उल्लेख किया जाएगा कि प्रबंध-मंडल के प्रत्येक मुख्य व्यक्ति को अदा किए गए प्रतिकर से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अन्य कर्मचारियों को अदा किए गए प्रतिकर के मध्य मूल्य (मीडियन) का अनुपात कितना है।
- (7) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति (निदेशक को छोड़कर) का कार्यकाल ऐसी निश्चित अवधि के लिए होगा, जो नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा तय की जाए।

स्पष्टीकरण: उप-विनियम (7) के प्रयोजनार्थ, कार्यकाल से किसी विनियामक विभाग (रेग्यूलेटरी डिपार्टमेंट) में प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति के रूप में तैनाती की अवधि अभिप्रेत है, जो एक निश्चित अवधि के लिए होगी।

विनियामक विभागों का अलग किया जाना

28. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम अपने विनियामक विभागों को अन्य विभागों से उसी प्रकार अलग रखेगा, जैसा इन विनियमों की अनुसूची- II के भाग-ग में उल्लेख किया गया है।

कानूनी समितियाँ

29. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम उप-विनियम (2) और उप-विनियम (3) के अनुसार समितियों का गठन करेगा।
- (2) कार्य-संबंधी समिति, जिसमें शामिल हैं:
 - (क) सदस्य चयन समिति;
 - (ख) निवेशक शिकायत निवारण समिति; और
 - (ग) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति
- (3) निगरानी समितियाँ, जिनमें शामिल हैं:
 - (क) तकनीक संबंधी स्थायी समिति;
 - (ख) सलाहकार समिति;
 - (ग) विनियामक निगरानी समिति; और
 - (घ) जोखिम प्रबंधन समिति।

- (4) उप-विनियम (2) तथा उप-विनियम (3) के तहत समितियों की संरचना, उनका कोरम तथा कार्य उसी प्रकार होंगे, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति

30. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करेगा, जिस पर अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, 1992, नियमों, विनियमों, या उनके तहत जारी किए गए निदेशों के पालन पर नज़र रखने की और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने की जिम्मेदारी होगी।
- (2) यदि अनुपालन अधिकारी की नज़र में उप-विनियम (1) में उल्लिखित किसी प्रावधान का पालन न किए जाने संबंधी कोई मामला आए, तो वह बोर्ड को तुरंत और स्वतंत्र रूप से उसकी रिपोर्ट करेगा।

निपटान गारंटी निधि (सेटलमेंट गारंटी फंड) में अंशदान

31. (1) विनियम 37 में यथा निर्धारित निधि (फंड) में अंशदान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) और समाशोधन सदस्यों (क्लीयरिंग मेम्बर्स) द्वारा उसी प्रकार किया जाएगा, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।
- (2) निधि (फंड) में कमी हो जाने पर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज उस कमी को पूरा करेंगे [निर्धारित सीमा-रेखा के स्तर (श्रेसहोल्ड लेवल) को कायम रखने के लिए], जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

शास्तियों (पेनल्टीज़) का अंतरण

32. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा लगाई गई शास्तियाँ (पेनल्टीज़), यथास्थिति, उसकी निवेशक संरक्षण निधि या विनियम 37 में यथा निर्धारित निधि में जमा की जाएंगी।

प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) और कंपनी संचालन संबंधी मानदंड

33. (1) सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनियों के लिए यथा निर्धारित प्रकटीकरण अपेक्षाएँ और कंपनी संचालन संबंधी मानदंड, *यथावश्यक परिवर्तन सहित*, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम पर लागू होंगे।
- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का शासी मंडल उप-विनियम (1) के पालन की पुष्टि, छमाही आधार पर, लिखित रूप में करेगा।
- (3) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, विनियामक कार्यों को मजबूती प्रदान करने के लिए और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम पर लागू विनियामक अपेक्षाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए संसाधनों का प्रकटीकरण एक्टिविटी बेस्ड अकाउंटिंग के आधार पर तैयार करेगा, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के तहत रिपोर्ट में प्रकट किया जाएगा।
- (4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा ली जाने वाली फीस और लिए जाने वाले शुल्क को ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की निगरानी समिति के समक्ष समीक्षा के लिए रखा जाएगा।

अध्याय-VI**सामान्य बाध्यताएँ****व्यापारों का समाशोधन और निपटान**

34. प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, इस संबंध में बोर्ड द्वारा निर्धारित तारीख से, अपने व्यापारों (ट्रेड) के समाशोधन (क्लीयरिंग) और निपटान (सेटलमेंट) के लिए मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) की सेवाएँ लेगा।

स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम के बीच करार

35. (1) उप-विनियम (2) के प्रावधानों के अधीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की सेवाएँ उनके बीच हुए लिखित करार (एग्रीमेंट) के अनुसरण में लेगा, जिसके अंतर्गत उनके अधिकार तथा बाध्यताएँ, प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) का समाशोधन तथा निपटान शुरू किए जाने की शर्तें, जोखिम प्रबंधन के लिए कदम, समाशोधन तथा निपटान के लिए शुल्क और अन्य संबंधित (आनुषंगिक) विषय आदि निर्धारित हों।
- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ऐसे स्टॉक एक्सचेंज में किए गए व्यापारों (ट्रेड) के समाशोधन और निपटान से सामने आने वाले विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए अपनी माध्यस्थ व्यवस्था (आर्बिट्रेशन मैकेनिज़्म) उपलब्ध कराएगा।

प्रतिभूतियों का समाशोधन और निपटान शुरू किया जाना

36. (1) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के किसी खंड (सेगमेंट) को अपनी सेवाएँ प्रदान करने से पहले और किन्हीं प्रतिभूतियों का समाशोधन तथा निपटान शुरू करने से पहले बोर्ड की मंजूरी मांगेगा।
- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना किसी नए खंड की शुरुआत नहीं करेगा।

व्यापारों के निपटान की गारंटी के लिए निधि

37. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के संबंधित खंड (सेगमेंट) में होने वाले व्यापारों (ट्रेड) के निपटान की गारंटी के लिए, प्रत्येक खंड हेतु, एक निधि (फंड) [चाहे किसी भी नाम से पुकारी जाए] गठित करेगा और उसे बनाए रखेगा:

परंतु यह कि यदि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज एक से अधिक समाशोधन निगमों के साथ करार करता हो, तो वह ऐसे मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों के साथ लिखित रूप में बहुपक्षीय करार करेगा, ताकि समाशोधन निगमों के बीच पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) सुनिश्चित हो सके।

- (2) यदि समाशोधन सदस्य अपनी निपटान संबंधी बाध्यताओं को पूरा करने में असफल हो जाए, तो निपटान की प्रक्रिया पूरी करने के लिए इस निधि का इस्तेमाल किया जाएगा।
- (3) इस निधि का कॉर्पस समाशोधन सदस्य (सदस्यों) के असफल रहने के कारण सामने आने वाली निपटान की बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (4) इस निधि के कॉर्पस की पर्याप्तता को परखने के लिए समय-समय पर उसी प्रकार स्ट्रेस टैस्ट किए जाएंगे, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।
- (5) इस निधि का इस्तेमाल बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

मुनाफों और निवेशों का इस्तेमाल

38. (1) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों द्वारा मुनाफों और निवेशों का इस्तेमाल बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना, कोई क्रियाकलाप नहीं करेगा, फिर चाहे पैसों (फंड) के उपयोग (डिप्लॉयमेंट) से संबंधित क्रियाकलाप हो या कोई अन्य क्रियाकलाप हो:

परंतु यह कि कोष संबंधी निवेशों (ट्रेजरी इन्वेस्टमेंट्स) के मामले में बोर्ड की पूर्व मंजूरी जरूरी नहीं होगी, यदि ऐसे निवेश मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल (गवर्निंग बोर्ड) द्वारा मंजूर की गई निवेश संबंधी नीति के अनुसार किए जा रहे हों:

परंतु यह और कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम ऐसा क्रियाकलाप [चाहे पैसों (फंड) के उपयोग से संबंधित क्रियाकलाप हो या कोई अन्य क्रियाकलाप हो], जो, यथास्थिति, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में उसके क्रियाकलापों से संबंधित (आनुषंगिक) न हो, एक अलग कानूनी एंटिटी के जरिए और बोर्ड की मंजूरी के अध्यक्षीन कर सकेगा।

समान, निष्पक्ष और पारदर्शी पहुँच

39. (1) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम यह सुनिश्चित करने के लिए एक नीतिगत ढाँचा बनाएगा कि शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में होने वाले व्यापारों (ट्रेड) के निपटान के संबंध में समाशोधन तथा निपटान संबंधी सेवाएँ देते समय कोई भेदभाव न हो।
- (2) उप-विनियम (1) के तहत बनाया गया ढाँचा समाशोधन निगम के वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा और उसके तहत उस आधार का उल्लेख किया जाएगा जिसके अनुसार शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) को समाशोधन निगम की समाशोधन तथा निपटान संबंधी सेवाओं तक पहुँच दी गई हो और साथ ही यह भी उल्लेख किया जाए कि समाशोधन तथा निपटान संबंधी सेवाओं तक पहुँच बनाने के उद्देश्य से उक्त अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए गैर-शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज क्या तरीका अपनाता है (अपनाते हैं)।
- (3) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, अपने सहयोगियों (असोसिएट) तथा संबंधित एंटिटियों के प्रति कोई पक्षपात किए बिना, सभी व्यक्तियों के लिए समान, निर्बाध, पारदर्शी और निष्पक्ष पहुँच सुनिश्चित करेगा।
- (4) यदि मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की सेवाओं तक बिना किसी भेदभाव के पहुँच बनाने को लेकर कोई प्रश्न उठता हो, तो ऐसे में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

लेखा बहियाँ और रिकॉर्ड रखना

40. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज नियमों के नियम 14 के अनुसार लेखा बहियाँ तथा रिकॉर्ड रखेगा और उन्हें सुरक्षित रखेगा।
- (2) तत्समय लागू किसी कानूनी प्रावधान के अध्यक्षीन, प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम कम से कम आठ वर्षों की अवधि तक निम्नलिखित लेखा बहियाँ तथा दस्तावेज रखेगा और उन्हें सुरक्षित रखेगा, अर्थात्:—
(क) कार्यवृत्त संबंधी दस्तावेज:

- (i) शासी मंडल की बैठकों की;
- (ii) शासी मंडल की किन्हीं समितियों की बैठकों की;
- (ख) समाशोधन सदस्यों का रिकॉर्ड, जिसमें उनके पूरे नाम, पते और निपटान के लिए बैंक तथा निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) खातों के ब्यौरे शामिल हों;
- (ग) लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के रिकॉर्ड;
- (घ) जमानती जमाराशियों (सिक्यूरिटी डिपॉजिट) का रिकार्ड ;
- (ङ) मार्जिन जमाराशियों (डिपॉजिट) की बही;
- (च) ग्राहक से लिए गए मार्जिन के ब्यौरे;
- (छ) खाता-बहियाँ (लैजर);
- (ज) जर्नल;
- (झ) रोकड़ बही (कैश बुक);
- (ञ) बैंक खाता विवरण;
- (ट) ऐसी अन्य लेखा बहियाँ और दस्तावेज, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाएं।

वार्षिक वित्तीय विवरण और विवरणियाँ प्रस्तुत करना

41. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम नियमों के नियम 17 तथा 17क के अनुसार अपने वार्षिक वित्तीय विवरण और विवरणियाँ बोर्ड के पास प्रस्तुत करेंगे।
- (2) पिछले वित्तीय वर्ष की बाबत उप-विनियम (1) के अनुसार रिकॉर्ड, बोर्ड के पास प्रत्येक वर्ष के सितम्बर महीने के तीसवें दिन तक प्रस्तुत कर दिए जाएं।

स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगम की उप-विधियाँ तथा नियम

42. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, बोर्ड की पूर्व मंजूरी से, अधिनियम की धारा 9 और इन विनियमों के अनुसार, यथास्थिति, संविदाओं (कॉन्ट्रैक्ट्स) तथा समाशोधन एवं निपटान के विनियमन (रेग्यूलेशन) के लिए उप-विधियाँ (बाय-लॉज़) बनाएगा।
- (2) किसी भी संगम जापन (मैमोरेन्डम ऑफ असोसिएशन), संगम अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) या गठन संबंधी किसी अन्य दस्तावेज, जहाँ तक कि वे अधिनियम की धारा 3 के तहत या इन विनियमों तथा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के तहत निर्धारित विषयों से संबंधित हों, में संशोधन बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना नहीं किया जाएगा।
- (3) बोर्ड के पास मंजूरी के लिए समाशोधन निगम की उप-विधियाँ और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अनुच्छेदों / नियमों / उप-विधियों / विनियमों, आदि के संशोधन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया उसी प्रकार होगी, जैसा इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-ड में निर्धारित है।

निपटान और नैटिंग

43. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में लेनदेन (ट्रांजैक्शन) की बाबत भुगतान तथा निपटान का निर्धारण, बोर्ड की पूर्व मंजूरी से, ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों में यथा निर्धारित नैटिंग या सकल प्रक्रिया (ग्रॉस प्रोसीजर) के अनुसार किया जाएगा।
- (2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित पक्षकारों (पार्टीज़) के बीच लेनदेन, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के तहत किया गया हो, की बाबत भुगतान और निपटान अंतिम होगा, उसे वापस नहीं लिया जा सकेगा और वह ऐसे पक्षकारों पर बाध्यकारी होगा।
- (3) जब निपटान अंतिम और वापस न लिया जा सकने वाला हो जाए, तब मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के अनुसार उसकी निपटान या अन्य बाध्यताओं हेतु व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर), समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) या ग्राहक द्वारा दिए गए किन्हीं संपार्श्विकों (कोलेट्रल) या जमाराशियों (डिपॉजिट) या मार्जिनों को विनियोजित करने के, यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या

मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अधिकार को, यथास्थिति, उक्त व्यापारिक सदस्य, समाशोधन सदस्य या ग्राहक के किसी अन्य दायित्व या के खिलाफ किए जाने वाले किसी अन्य दावे की अपेक्षा वरीयता दी जाएगी।

स्पष्टीकरण - शंकाएँ दूर करने के लिए, एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि इस विनियम में उल्लिखित निपटान, चाहे सकल हो या शुद्ध, तब अंतिम और वापस न लिया जा सकने वाला हो जाएगा, एकबार जब ऐसे निपटान के परिणामस्वरूप देय धनराशि, प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) या अन्य लेनदेनों (ट्रांज़ैक्शन) का निर्धारण हो जाए, फिर चाहे ऐसी धनराशि, प्रतिभूतियाँ या अन्य लेनदेन वास्तव में अदा किए गए हों या न किए गए हों।

समाशोधन निगम का अधिकार

- 44.** मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के समाशोधन सदस्यों से देय रकम, जो उनके समाशोधन तथा निपटान संबंधी कार्यों को करने से संबंधित हो, की वसूली समाशोधन सदस्यों के संपार्श्विकों (कोलेट्रल), जमाराशियों तथा आस्तियों (असेट्स) से किए जाने के मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के अधिकार को समाशोधन सदस्यों के किसी अन्य दायित्व या के खिलाफ किसी अन्य दावे की अपेक्षा वरीयता दी जाएगी।

अध्याय-VII

प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता

सूचीबद्धता

- 45.** (1) लागू कानूनों के प्रावधानों के अध्यधीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (स्वयं और अपने सहयोगी स्टॉक एक्सचेंज को छोड़कर) में अपनी प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए आवेदन कर सकेगा, यदि—
- (क) वह इन विनियमों के प्रावधानों [खासतौर पर स्वामित्व और संचालन (गवर्नेंस) से संबंधित] का पालन करता हो;
 - (ख) उसने सूचीबद्धता के आवेदन की तारीख से ठीक पहले के लगातार तीन वर्षों के दौरान व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी कार्य किया हो; और
 - (ग) उसने बोर्ड की मंजूरी प्राप्त कर ली हो।
- परंतु यह कि बोर्ड ऐसी शर्तें (जिनमें किसी व्यक्ति द्वारा धारित शेयरों के अंतरण से संबंधित शर्तें भी शामिल हैं) निर्धारित कर सकेगा जो वह प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में ठीक समझे।
- (2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अपने सहयोगियों (असोसिएट) की किन्हीं प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को सूचीबद्ध (लिस्ट) नहीं करेगा।
- (3) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की प्रतिभूतियाँ किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं की जाएंगी।

गैर-कागज़ी रूप देना (डीमैट करना)

- 46.** मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की प्रतिभूतियाँ गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में होंगी।

अध्याय-VIII

निरीक्षण, जाँच और प्रवर्तन

जानकारी मंगाने की शक्ति

- 47.** बोर्ड समय-समय पर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, या उसके शासी मंडल या उसके किसी शेयरधारक से कोई जानकारी, दस्तावेज या रिकॉर्ड मंगा सकेगा।

निरीक्षण की शक्ति

- 48.** (1) बोर्ड किसी भी समय किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, ऐसे एक्सचेंज या समाशोधन निगम के किसी सहयोगी, ऐसे स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के किसी शेयरधारक अथवा ऐसे शेयरधारक के किसी सहयोगी तथा एजेंट का निरीक्षण, की जाँच और लेखापरीक्षा (का ऑडिट) कर सकेगा।
- (2) जहाँ उप-विनियम (1) के तहत निरीक्षण बोर्ड द्वारा किया जाता है, वहाँ ऐसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम या शेयरधारक या सहयोगी और ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, मान्यताप्राप्त

समाशोधन निगम, शेयरधारक या सहयोगी का प्रत्येक प्रबंधक, निदेशक, प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर), अध्यक्ष या अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी बोर्ड के साथ सहयोग करेगा।

बोर्ड के निदेश

49. अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और उनके अधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के तहत अपनी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, या तो *स्वप्रेरणा* से, या किसी सूचना के मिलने पर अथवा किसी निरीक्षण, जाँच या अन्वेषण (इन्वेस्टिगेशन) के दौरान या उसके पूरा होने पर, जनता या व्यापार (ट्रेड) या निवेशकों या प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में, ऐसे निदेश जारी कर सकेगा, जो भी वह ठीक समझे, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं किन्तु जो निम्नलिखित निदेशों में से किसी निदेश या सभी निदेशों तक ही सीमित नहीं हैं:—

- (क) गारंटी निधि (सेटलमेंट गारंटी फंड) में कोई पैसा (आगम / प्रोसीड्स) या प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) अंतरित इन विनियमों का उल्लंघन करके मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में इक्विटी शेयरों या इक्विटी शेयरों पर अधिकार धारण करने वाले व्यक्ति को उसकी धारिता (होलिंग) उस प्रकार से बेचे जाने (डाइवैस्ट करने) का निदेश, जैसा निदेश में निर्धारित किया गया हो;
- (ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की निवेशक संरक्षण निधि या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की निपटान करने का निदेश;
- (ग) किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के किसी शेयरधारक, या ऐसे शेयरधारक के किसी सहयोगी तथा एजेंट, या ऐसे शेयरधारक से शेयरों के किसी अंतरिती [ट्रांसफरी / वह जिसे अंतरण (ट्रांसफर) किया जा रहा हो], मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशक (निदेशकों) और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति (व्यक्तियों) को प्रतिभूति बाजार में पहुँच रखने या प्रतिभूतियों में लेनदेन (डीलिंग) करने से ऐसी अवधि के लिए विवर्जित करना जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।

अध्याय-IX

विविध

कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

50. इन विनियमों के प्रावधानों की व्याख्या या इनके लागू होने के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड के पास मार्गदर्शन टिप्पणों (गाइडेंस नोट) या परिपत्रों (सर्कुलर्स) के जरिए निदेश जारी करने की शक्ति होगी।

प्रक्रियाएँ निर्धारित करने और स्पष्टीकरण जारी करने की शक्ति

51. इन विनियमों को लागू किए जाने और इनसे संबंधित (आनुषंगिक) मामलों के प्रयोजनार्थ, बोर्ड मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के लिए परिपत्रों (सर्कुलर्स) के माध्यम से मानदंड, प्रक्रियाएँ आदि, तरीके या दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) निर्धारित कर सकेगा, जैसा इन विनियमों में निर्धारित किया गया है।

निरसन और व्यावृत्तियाँ

52. (1) इन विनियमों के प्रारंभ से ही, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 और निम्नलिखित परिपत्र निरसित हो जाएंगे—

- (क) तारीख 13 दिसम्बर, 2012 का परिपत्र (सं. सीआईआर/एमआरडी/डीएसए/33/2012) - स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों की मान्यता, के स्वामित्व तथा संचालन (गवर्नेंस) के संबंध में प्रक्रिया संबंधी मानदंडों से संबंधित;
- (ख) तारीख 22 जनवरी, 2016 का परिपत्र (सं. सेबी/एचओ/एमआरडी/डीएसए/सीआईआर/पी/2016/30) - प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 के विनियम 2(1)(ख) में संशोधन के अनुसरण में तारीख 13 दिसम्बर, 2012 के परिपत्र (सं. सीआईआर/एमआरडी/डीएसए/33/2012) में संशोधन से संबंधित।

(1) ऐसा निरसन हो जाने पर भी, इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व निरसित विनियमों तथा परिपत्रों के तहत की गई किसी बात अथवा की गई किसी कार्रवाई या किए जाने के लिए तात्पर्यित या आशयित किसी कार्रवाई के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत की गई है या शुरू की गई है या आशयित है।

- (2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित विनियमों और परिपत्रों के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा जारी किए गए किसी विनियम, दिशानिर्देश (मार्गदर्शक सिद्धांत / गाइडलाइन), परिपत्र (सर्कुलर) या निदेश में उनके किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के संबंधित प्रावधानों के प्रति एक संदर्भ है।

अनुसूची-I

फॉर्म-क

[विनियम 4 और 12 देखें]

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 के विनियम 4 के तहत समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) की मान्यता के लिए आवेदन / विनियम 12 के तहत समाशोधन निगम की मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन

.....

.....

विषय:—प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 के विनियम 4 / विनियम 12 के तहत समाशोधन निगम की मान्यता या मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन।

महोदय / महोदया,

- हम / मैं (समाशोधन निगम का नाम और पता) के समाशोधन निगम होने के नाते उसकी ओर से एतद्वारा प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) से संबंधित संविदाओं (कॉण्ट्रैक्ट्स) के समाशोधन (क्लीयरिंग) एवं निपटान (सेटलमेंट) की बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ मान्यता / मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन करते हैं / करता / करती हूँ।
- समाशोधन निगम के गठन और प्रबंधन से साधारणतया संबंधित नियमों, संगम ज्ञापन (मेमोरेण्डम ऑफ असोसिएशन) और संगम अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) की दो प्रतियाँ तथा प्रतिभूतियों से संबंधित संविदाओं के समाशोधन एवं निपटान संबंधी उप-विधियों (बाय-लॉज़) की दो प्रतियाँ संलग्न हैं।
- इस फॉर्म के संलग्नक में अपेक्षित समस्त जरूरी जानकारी संलग्न है। जब कभी भी बोर्ड कोई और जानकारी मांगेगा, तो वह जानकारी भी प्रस्तुत कर दी जाएगी।
- हम / मैं, उक्त समाशोधन निगम की ओर से, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 में दी हुई अपेक्षाओं का तथा ऐसी अन्य शर्तों आदि का पालन करने का वचन देते हैं / देता / देती हूँ, जिनका उल्लेख मान्यता के प्रमाणपत्र में हो या जो बाद में निर्धारित की जाएं या लगाई जाएं।

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 के विनियम 5 / विनियम 12 में यथा निर्धारित फीस के भुगतान के संबंध में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सीधे बैंक खाते में जमा करके भुगतान किए जाने का सबूत अथवा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पक्ष में लिखा गया मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) [सं. तारीख.....] संलग्न है।

भवदीय / भवदीया,

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

फॉर्म-क' का संलग्नक

भाग-I – सामान्य

- आवेदक समाशोधन निगम का नाम।
- पता।
- समाशोधन निगम की स्थापना या उसके निगमन की तारीख।
- क्या आपका समाशोधन निगम कंपनी अधिनियम के तहत रजिस्ट्रीकृत एक संयुक्त स्टॉक कंपनी [सार्वजनिक (पब्लिक) है या निजी (प्राइवेट), इसका भी उल्लेख करें] है।
- अपनी पूँजी संरचना (कैपिटल स्ट्रक्चर) के ब्यौरे दें और समाशोधन निगम के पिछले तीन वर्षों के लेखापरीक्षित तुलन-पत्रों तथा लाभ और हानि लेखों की तीन प्रतियाँ संलग्न करें।

6. समाशोधन निगम के शेयरधारिता स्वरूप (शेयरहोल्डिंग पैटर्न) के ब्यौरे दें।
7. क्या आपकी कारबार व्यवहार्यता योजना (बिजनेस वाइबिलिटी प्लान) की व्यवहार्यता का मूल्यांकन प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी प्रतिष्ठित एजेंसी द्वारा किया गया है? मूल्यांकन रिपोर्ट की प्रति दें।
8. क्या आपने मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ उसके व्यापारों (ट्रेड्स) का समाशोधन और निपटान करने हेतु करार कर लिया है? ऐसे स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का नाम तथा उसके संगठन और प्रबंध-मंडल के ब्यौरे दें।

भाग-II - समाशोधन निगम की समाशोधन सदस्यता

9. यह बताएं कि आवेदन के समय समाशोधन सदस्यों की संख्या कितनी है। यह भी बताएं कि कितने निष्क्रिय हैं।
10. यह बताएं कि क्या समाशोधन सदस्यों की संख्या सीमित करने के लिए कोई प्रावधान, संकल्प या कन्वेंशन है और क्या उसके अनुसरण में आपने उन समाशोधन सदस्यों की अधिकतम संख्या तय की है जिन्हें आप सदस्य बनाएंगे।
11. क्या आप नए समाशोधन सदस्य बनाने से पहले किसी न्यूनतम योग्यता (अर्हता) और अनुभव पर जोर देते हैं? यदि हाँ, तो ब्यौरे दें।
12. समाशोधन सदस्यों के विभिन्न वर्गों (यदि कोई हों), उनकी संख्या, और प्रत्येक वर्ग को मिले विशेषाधिकारों का उल्लेख करें। विभिन्न वर्गों के नए समाशोधन सदस्य बनाने के लिए आपके समाशोधन निगम द्वारा क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है।
13. विभिन्न वर्गों के समाशोधन सदस्यों की बाबत आपके द्वारा लिए जाने वाले वार्षिक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की दरें क्या हैं?
14. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों से कोई जमानती जमाराशि (सिक्यूरिटी डिपॉजिट) लेते हैं? यदि हाँ, तो ब्यौरे दें और साथ ही यह भी उल्लेख करें कि ऐसी जमाराशियों का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाता है तथा उस पर अनुमत ब्याज दर (यदि कोई हो) क्या है।
15. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों से उन्हें समाशोधन सदस्य बनाने हेतु कोई फीस/शुल्क या प्रवेश शुल्क लेते हैं? यदि हाँ, तो कितनी/कितना?
16. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों पर इस बात के लिए जोर देते हैं कि वे अन्य क्रियाकलापों से स्वयं को दूर कर लें, फिर चाहे वे ऐसे क्रियाकलाप मालिक (प्रिंसिपल) के रूप में कर रहे हों या कर्मचारी के रूप में?
17. आपके समाशोधन निगम द्वारा तय की गई दलाली और अन्य शुल्कों (यदि कोई हों) के मान (स्केल) के ब्यौरे दें।
18. क्या आप अपने समाशोधन सदस्य की सेवाएँ लेने के लिए व्यापारिक सदस्य के साथ किए जाने वाले करार (एग्रीमेंट) का मानक रूप निर्धारित करते हैं? ऐसे करार की दो प्रतियाँ संलग्न करें।
19. आप अपने समाशोधन सदस्यों द्वारा विज्ञापन दिए जाने या परिपत्र जारी किए जाने को विनियमित (रेग्युलेट) करने या प्रतिषिद्ध करने के लिए क्या कदम उठाते हैं?
20. क्या आप समाशोधन सदस्यों से ऐसी जानकारी या स्पष्टीकरण देने की और उनके कारबार से संबंधित ऐसी बहियों को पेश करने की अपेक्षा करते हैं, जैसी आपका शासी मंडल अपेक्षा करे?
21. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों का समय-समय पर निरीक्षण करते हैं? इसके ब्यौरे दें, और साथ ही वार्षिक निरीक्षणों की संख्या भी बताएं तथा यह भी बताएं कि निरीक्षण करने के लिए कितने व्यक्ति हैं (कितनी जनशक्ति है)।

भाग-III - शासी मंडल

22. आपके शासी मंडल की वर्तमान सदस्य-संख्या कितनी है? शासी मंडल के गठन, प्रबंध-मंडल की शक्तियों, सदस्यों के निर्वाचन तथा कार्यकाल के ब्यौरे दें और साथ ही यह भी बताएं कि वह कारबार किस तरह से करता है।
23. क्या आपके शासी मंडल में व्यापारिक या वाणिज्यिक हित रखने वाला कोई प्रतिनिधि है? यदि हाँ, तो उनके हितों के ब्यौरे दें।
24. क्या आप अपने समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल में निवेशक संघों के सदस्यों को शामिल करते हैं? यदि हाँ, तो बताएं कि यह कैसे किया जाता है।
25. क्या आपके शासी मंडल में सरकार या बोर्ड के कोई प्रतिनिधि हैं? यदि हाँ, तो उनके नाम बताएं।

26. शासी मंडल में कितने लोक हित निदेशक हैं ? उनके नामों, योग्यताओं (अर्हताओं) और अनुभव का उल्लेख करें।
27. क्या आपके नियमों के अंतर्गत शासी मंडल की सलाहकार समिति में समाशोधन सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन का प्रावधान है ? यदि हाँ, तो उसके गठन, कार्यकाल, शक्तियों और कार्यों के ब्यौरे दें।
28. क्या आपके यहाँ शासी मंडल की स्थायी या तदर्थ उप-समितियों की नियुक्ति का कोई प्रावधान है ? यदि हाँ, तो उनकी संरचना, नियुक्ति, कार्यकाल, शक्तियों और कार्यों के ब्यौरे दें।
29. अपने समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के पदनामों, शक्तियों और कर्तव्यों का उल्लेख करें। यह भी बताएं कि उनकी नियुक्ति कैसे की जाती है तथा उनके कार्यकाल और पारिश्रमिक के ब्यौरे दें।
30. शासी मंडल के पास क्या अनुशासनिक शक्तियाँ हैं, ताकि वह यह सुनिश्चित कर सके कि समाशोधन सदस्यों द्वारा समाशोधन निगम के नियमों तथा उप-विधियों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है और आम तौर पर कारबार ठीक तरह से चलाया जा रहा है ?
31. फीस, जुर्माने तथा शास्तियाँ (पेनल्टीज़) लगाने और उनकी वसूली करने के लिए आपने क्या प्रावधान किए हुए हैं ?

भाग-IV - समाशोधन और निपटान

32. समाशोधन निगम की समाशोधन और निपटान प्रणाली का वर्णन करें।
33. आपके समाशोधन निगम में समाशोधित होने वाले और निपटाए जाने वाले या समाशोधित किए जाने और निपटाए जाने के लिए प्रस्तावित विभिन्न प्रकार के उत्पादों (प्रोडक्ट्स) [जैसे - इक्विटी, इक्विटी व्युत्पन्नी (इक्विटी डेरिवेटिव), मुद्रा व्युत्पन्नियाँ (करंसी डेरिवेटिव), व्याज दर व्युत्पन्नियाँ (इंटररेस्ट रेट डेरिवेटिव), ऋण लिखतें (डेट इन्स्ट्रुमेंट्स), इत्यादि] का उल्लेख करें। प्रत्येक मामले में सुपुर्दगी (डिलीवरी) की अवधि, भुगतान और निपटान की व्यवस्था का उल्लेख करें।
34. किन शर्तों के तहत आपके समाशोधन निगम में व्यापारों (ट्रेड्स) का निपटान और समाशोधन किया जाता है ?
35. व्युत्पन्नियों (डेरिवेटिव्स) में किए जाने वाले लेनदेनों का समाशोधन और निपटान शुरू करने के संबंध में आपकी क्या अपेक्षाएँ हैं ?
36. क्या आपको यह अधिकार है कि आप किए गए लेनदेनों का समाशोधन और निपटान शुरू करने के बाद उनके समाशोधन और निपटान को प्रतिषिद्ध कर सकें, उन्हें वापस ले सकें या उन्हें निलंबित कर सकें ? यदि हाँ, तो किन परिस्थितियों में इस अधिकार का प्रयोग किया जाता है ?
37. आपके समाशोधन निगम द्वारा लगाए जाने वाले समाशोधन एवं निपटान शुल्कों तथा अन्य शुल्कों, यदि कोई हों, के ब्यौरे दें।
38. आपने संविदाओं और उन संविदाओं के तहत पैसे या प्रतिभूतियों के अंतरों के आवधिक निपटान, प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी, और उनके संबंध में भुगतान तथा सुपुर्दगी आदेश पारित करने के लिए क्या प्रावधान किए हैं ?
39. आप निपटान (सेटलमेंट) की तारीखों को कैसे तय करते हैं, उनमें बदलाव कैसे करते हैं या उन्हें आगे कैसे बढ़ाते हैं ?
40. क्या आपने बाजार हेराफेरी [विशेषकर व्युत्पन्नी बाजारों (डेरिवेटिव मार्केट) में शेयरों की कागज़ी तौर पर सुपुर्दगी (फिज़िकल डिलीवरी) के मामले में] को रोकने के लिए और निपटान तुरंत किए जाने के मद्देनज़र कोई रक्षोपाय किए हुए हैं। ब्यौरे दें।
41. समाशोधन निगम द्वारा जिन विभिन्न जोखिमों का सामना किया जाता है उनसे निपटने के लिए, "प्रिसिपल्स फॉर फाइनेंशियल मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर्स" संबंधी बीआईएस-आयस्को के पेपर के अनुसार, अपनाए गए उपायों का विस्तृत आकलन दें।
42. क्या आप समाशोधन निगम में हुए कारबार से संबंधित आँकड़े (जिनमें निपटान गारंटी निधि और समाशोधन निगम के माध्यम से निपटाए गए लेनदेनों का मूल्य शामिल है), यदि रखे गए हों, प्रकाशित करते हैं ? खासकर, क्या आपने समाशोधन निगम के सकल तथा शुद्ध एक्सपोजर की और अपने समाशोधन निगम में अनुमत विभिन्न प्रकार की संविदाओं के समाशोधन एवं निपटान के मूल्य की गणना करने के लिए कोई व्यवस्था बनाई है ? ब्यौरे दें।
43. (क) क्या आपकी ऐसी कोई उप-विधियाँ हैं, जिनका उल्लंघन संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) को अमान्य कर देता है ?
(ख) क्या आपके यहाँ बाजार सुरक्षा और सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर), मार्जिन की व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन की पर्याप्त व्यवस्था है ? ब्यौरे दें।

- (ग) क्या आप समाशोधन और निपटान के अलावा कोई अन्य क्रियाकलाप करते हैं? ब्यौरे दें।
- (घ) आपकी शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) कितनी है? ब्यौरे दें।
- (ङ) कामकाज के समय के ब्यौरे दें?
- (च) किन शर्तों के तहत लेनदेनों (डीलिंग) का समाशोधन और निपटान शुरू किया जाता है?
44. क्या आपके यहाँ निपटान गारंटी निधि है? निपटान गारंटी निधि के कॉर्पस के, इसके अंशदान के ब्यौरे दें और यह भी बताएँ कि इसका इस्तेमाल किन-किन परिस्थितियों में किया जा सकता है तथा इस्तेमाल का वरीयता-क्रम क्या है, इत्यादि।
45. आप निपटान गारंटी निधि की पर्याप्तता कैसे सुनिश्चित करते हैं? क्या आप समय-समय पर स्ट्रेस-टेस्ट करते हैं? अंतिम बार किए गए स्ट्रेस टेस्ट के ब्यौरों और परिणामों का उल्लेख करें।
46. समाशोधन सदस्य की बाध्यताएँ तय करने हेतु समाशोधन निगम द्वारा क्या नैटिंग प्रक्रिया अपनाई जाती है?
47. शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज और गैर-शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज के व्यापारों के निपटान के संबंध में आपकी क्या नीति है?
48. क्या आपने किसी एक समाशोधन सदस्य के कारबार की मात्रा और उसके द्वारा लिए गए एक्सपोजर (जो मार्जिनो की व्यवस्था न अपनाकर किसी अन्य तरीके से लिया गया हो) को विनियमित (रेग्यूलेट) करने के लिए कोई प्रावधान किए हुए हैं, यदि हाँ, तो ब्यौरे दें।
49. आपने (क) संविदाएँ करने, उनका पालन करने और उन्हें निरस्त करने; (ख) व्यापारिक या समाशोधन सदस्यों की ओर से (फिर चाहे वे क्रेता हों, विक्रेता हों या मध्यवर्ती हों) उल्लंघन किए जाने, चूक किए जाने या उनके दिवालिया हो जाने से पड़ने वाले असर, के संबंध में विनियमन करने के लिए क्या प्रावधान किए हुए हैं?

भाग-V - बुनियादी सुविधाएँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर)

50. क्या आपके यहाँ समाशोधन सदस्यों के बीच और / या समाशोधन सदस्यों तथा उनके घटकों (कन्स्टिट्यूएंट) और व्यापारिक सदस्य तथा समाशोधन सदस्य के बीच विवादों की मध्यस्थता करने हेतु कोई व्यवस्था है? ब्यौरे दें।
51. क्या आपने निक्षेपागारों, समाशोधन करने वाले बैंकों, स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन सदस्यों के साथ संयोजकता (कनेक्टिविटी) स्थापित कर ली है? ब्यौरे दें।
52. आपकी प्रणालियों पर अभी कितना औसत भार है? स्ट्रेस के समय अधिकतम कितना भार लिया जा सकता है और प्रणालियों की अधिकतम मापनीयता (स्केलेबिलिटी) कितनी है?
53. आपकी सतत कारबार योजना क्या है? इसके ब्यौरे दें, और साथ ही इसके भी ब्यौरे दें कि आपदा से उबरने की व्यवस्था कहाँ है।
54. आपके प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के नाम, योग्यताएँ (अर्हताएँ) और विशेषज्ञता क्या हैं?

फॉर्म-ख

[विनियम 9 और 12 देखें]

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

सं. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड,
 (समाशोधन निगम का नाम और पता) द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) (स्टॉक एक्सचेंज एंड क्लीयरिंग कारपोरेशन) रेग्यूलेशन, 2018] के विनियम 4 / विनियम 12 के तहत मान्यता प्रदान करने के लिए / मान्यता का नवीकरण प्रदान करने के लिए किए गए आवेदन पर विचार करने पर और इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा, प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में होगा और ऐसा करना लोक हित में भी होगा, एतद्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956] की धारा 8क की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) को मान्यता 20 को समाप्त होने वाले वर्ष / वर्षों के लिए, यहाँ नीचे उल्लिखित शर्तों या जो इसके पश्चात् निर्धारित की जाएँ या लगाई जाएँ के अध्यक्षीन, प्रदान करता है।

बोर्ड की मुहर

अधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख:

स्थान: मुंबई

अनुसूची-II

भाग-क

[विनियम 26(1) देखें]

शासी मंडल में शामिल निदेशकों के लिए आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट)

1. बैठकें एवं कार्यवृत्त

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक—

- (क) ऐसे किसी विषय के संबंध में होने वाली चर्चा में भाग नहीं लेगा, जिसमें कोई हित-विरोध हो या सामने आए (फिर चाहे वह धन संबंधी हो या कोई और), और ऐसे मामलों में हित-विरोध की जानकारी प्रकट की जाएगी तथा बैठक के कार्यवृत्त में दर्ज की जाएगी;
- (ख) बैठक के दौरान कार्यसूची (एजेंडा) के कागजातों के परिचालन को तब तक प्रोत्साहित नहीं करेगा, जब तक कि परिस्थितियों के तहत ऐसा करना अपेक्षित न हो;
- (ग) प्रारूप कार्यवृत्त (ड्राफ्ट मिनट्स) पर अपनी टिप्पणियाँ देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें अंतिम कार्यवृत्त में शामिल कर लिया गया है;
- (घ) पिछली बैठक के कार्यवृत्त को आगामी बैठक में मंजूरी हेतु रखे जाने पर जोर देगा;
- (ङ) यह प्रयास करेगा कि शासी मंडल की प्रत्येक बैठक में, शासी मंडल के अन्य सदस्यों के परामर्श से, अगली बैठक की तारीख तय हो जाए;
- (च) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि यदि समय के अभाव के कारण बैठक की कार्यसूची (एजेंडा) की समस्त मदों को शामिल न किया गया हो, तो शेष मदों पर विचार करने के लिए अगली बैठक पंद्रह दिनों के भीतर आयोजित की जाए।

2. लोक हित निदेशकों के लिए आचार संहिता

- (क) उपरोक्त पैरा (i) में उल्लिखित शर्तों के अतिरिक्त, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के लोक हित निदेशक शासी मंडल की सभी बैठकों में उपस्थित रहने का प्रयास करेंगे और यदि वे शासी मंडल की लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं या वे एक कलेंडर वर्ष में शासी मंडल की कुल बैठकों में से पचहत्तर प्रतिशत बैठकों में उपस्थित नहीं रहते हैं, तो वे पद त्यागने के दायी होंगे।
- (ख) लोक हित निदेशक, छह महीनों में कम से कम एक बार, महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए अलग से बैठक करेंगे।
- (ग) लोक हित निदेशक ऐसे महत्वपूर्ण मामलों की पहचान करेंगे जिनमें स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन सदस्य के हित विरोध शामिल हो सकते हैं, या जिनसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की कार्यप्रणाली पर काफी असर पड़ सकता हो, अथवा जो प्रतिभूति बाजार के हित में न हों। बोर्ड को इसकी रिपोर्ट की जाएगी।

3. नीतिगत योजना बनाना

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक—

- (क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के सर्वोत्तम हित में नीतियाँ (स्ट्रेटजी) बनाने और उन्हें अमल में लाने में भाग लेगा तथा शासी मंडल के स्तर पर अग्र-सक्रिय रूप से निर्णय लिए जाने में योगदान देगा;
- (ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को अपने अनुभव और अपनी विशेषज्ञता से फायदा पहुँचाएगा और नीतिगत योजना बनाने में तथा निर्णय लेने में मदद करेगा।

4. विनियामक अपेक्षाओं का पालन

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक—

- (क) यह सुनिश्चित करेगा कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों के समस्त लागू प्रावधानों का और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों (सर्कुलर्स), निदेशों का पालन करे;
- (ख) सभी स्तरों पर पालन सुनिश्चित करेगा, ताकि विनियामक व्यवस्था का कोई उल्लंघन न हो;
- (ग) यह सुनिश्चित करेगा कि सुधारात्मक कार्रवाई के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई समय-सीमा का पालन करने के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम आवश्यक कदम उठाए;
- (घ) शासी मंडल की बैठक में किसी ऐसे निर्णय का समर्थन नहीं करेगा जो निवेशकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता हो और ऐसे किसी निर्णय के बारे में तुरंत बोर्ड को सूचित करेगा।

5. सामान्य जिम्मेदारी

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक -

- (क) निवेशकों की शिकायतें दूर करने को प्राथमिकता देगा और निष्पक्ष व्यापारिक व्यवहार को प्रोत्साहित करेगा, ताकि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज मार्केट) के विकास को गति प्रदान कर सके;
- (ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम से जुड़े मुद्दों का पेशेवर सक्षमता, निष्पक्षता, औचित्य, दक्षता के साथ और प्रभावी तरीके से विश्लेषण करने और उनका समाधान करने का प्रयास करेगा;
- (ग) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) में धारिताओं (होलिंग) / लेन-देनों (डीलिंग) के आवश्यक प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) / विवरण प्रस्तुत करेगा, जैसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा उनकी उप-विधियों (बाय-लॉज) या संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) के अनुसार समय-समय पर अपेक्षा की जाए;
- (घ) जब तक कि कानूनी प्रावधानों द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो, गोपनीयता बनाए रखेगा और अपने कर्तव्य के निर्वहन के दौरान प्राप्त किसी जानकारी को प्रकट नहीं करेगा और ऐसी किसी भी जानकारी का इस्तेमाल निजी फायदों के लिए नहीं किया जाएगा;
- (ङ) जनता का विश्वास जीतने के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में वैयक्तिक सत्यनिष्ठा, सत्यता, ईमानदारी और दृढ़ता के उच्चतम स्तर बनाए रखेगा, और ऐसे कार्यों में नहीं लगेगा जिसे उनकी जिम्मेदारियों पर कोई सवाल खड़ा हो;
- (च) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और ऐसे क्रियाकलापों से बचेगा जो उसकी स्वतंत्रता या निष्पक्षता या पद से संबंधित कर्तव्यों को क्षति पहुँचा सकते हों, या जो क्षति पहुँचाने वाले प्रतीत होते हों;
- (छ) सकारात्मक रुख के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और खुल कर अपनी बात कहने, सृजनात्मकता, समर्पण और सहानुभूति का सकारात्मक रूप से समर्थन करेगा;
- (ज) ऐसे कोई कार्य में नहीं लगेगा जिसमें नैतिक अधमता, बेईमानी, धोखाधड़ी, छल, या गलतबयानी शामिल हो अथवा ऐसे कोई अन्य कार्य में नहीं लगेगा जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के कामकाज के प्रतिकूल हो।

भाग-ख

[विनियम 26(2) देखें]

स्टॉक एक्सचेंजों या समाशोधन निगमों के निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु सदाचार संहिता

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों के निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु "सदाचार संहिता" का उद्देश्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों की कार्यप्रणाली में पेशे से जुड़े स्तरों और नैतिकता के स्तरों में सुधार लाना है, जिससे प्रतिभूति बाजार की सत्यनिष्ठा में निवेशकों का विश्वास और बढ़ सके।

1. उद्देश्य और बुनियादी (अंडरलाइंग) सिद्धांत

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु सदाचार संहिता कारबार/पेशे में सदाचार के न्यूनतम स्तर तय करने के लिए है, जिनका अनुसरण इन निदेशकों और

प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों द्वारा किया जाना है, ताकि एक ऐसे बाजार की स्थापना की जा सके जो निष्पक्ष और पारदर्शी हो। सदाचार संहिता निम्नलिखित बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित है:

- (क) स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम और निवेशकों से संबंधित विषयों की बाबत औचित्य और पारदर्शिता।
- (ख) विनियामक एजेंसियों/मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज/मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा निर्धारित समस्त विधियों/नियमों/विनियमों का पालन करना।
- (ग) कर्तव्यों के पालन में पूरी तत्परता बरतना।
- (घ) निदेशकों/प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के निजी हित और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम तथा निवेशकों के हितों के बीच हित-विरोध से बचना।

2. विनियामक निगरानी समिति (रेग्युलेटरी ओवरसाइट कमेटी)

इस संहिता के कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लिए, प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा अपने-अपने शासी मंडल के नियंत्रण में विनियामक निगरानी समिति गठित की जाएगी।

3. सामान्य मानक

- (क) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति नैतिकता संबंधी जिम्मेदारियों की जानकारी और समझ को और अधिक बढ़ाने का प्रयास करेंगे।
- (ख) अपने कारबार संचालन के दौरान निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति उच्च स्तर के वाणिज्यिक मानकों (कमर्शियल ओनर) को बनाए रखेंगे और व्यापार के न्यायसंगत तथा निष्पक्ष सिद्धांतों का पालन करेंगे।
- (ग) कारबार में निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अन्य सदस्यों के लिए मानक तय करेगा।
- (घ) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के कार्यपालक या प्रशासनिक स्टाफ, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के प्रौद्योगिकी या सेवा प्रदाताओं तथा विक्रेताओं, या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किसी कंपनी को सहायता आदि देने / से सहायता आदि लेने के लिए अपने पद का इस्तेमाल नहीं करेंगे।
- (ङ) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति कोई ऐसा कार्य नहीं करेंगे जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाए।
- (च) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशक, समिति के सदस्य और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति प्रतिभूति बाजार पर लागू समस्त कानूनी प्रावधानों का पालन करेंगे।

4. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेनों (डीलिंग) का प्रकटीकरण

- (क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति समय-समय पर, जैसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा निर्धारित किया जाए (जो मासिक भी हो सकता है), प्रतिभूतियों में होने वाले अपने समस्त लेनदेन (डीलिंग), प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, शासी मंडल / विनियामक निगरानी समिति / अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) को प्रकट करेंगे।
- (ख) प्रतिभूतियों में होने वाले ऐसे लेनदेन (डीलिंग) प्रतिभूतियों के संबंध में लगाई गई व्यापारिक (ट्रेडिंग) पाबंदियों के अध्यधीन भी होंगे जिनके बारे में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के पास असार्वजनिक कीमत संवेदनशील जानकारी हो सकती है। इस संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 [सेबी (प्रोहिबिशन ऑफ इनसाइडर ट्रेडिंग) रेग्युलेशन, 2015] में निर्धारित अपेक्षा का संदर्भ लिया जा सकता है।
- (ग) समस्त संव्यवहार लेनदेन निवेश स्वरूप के ही होने चाहिए, न कि सट्टेबाजी के स्वरूप के। इसके लिए, खरीदी गयी समस्त प्रतिभूतियों को बेचने से पहले उन्हें कम से कम साठ दिनों तक अवश्य रखना होगा। हालाँकि, विशेष/ असाधारण परिस्थितियों में, प्रतिभूतियों को किसी भी समय बेचा जा सकता है, जिसके लिए इस शर्त से छूट प्राप्त करने हेतु अनुपालन अधिकारी की पहले ही मंजूरी लेनी होगी और यह लिखित रूप में रिकॉर्ड करना होगा कि इस संबंध में अनुपालन अधिकारी भी संतुष्ट है।

स्पष्टीकरण—इस संहिता के प्रयोजनार्थ "प्रतिभूतियों" (सिक्यूरिटीज़) के अंतर्गत पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) की यूनिटें शामिल नहीं होंगी।

5. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के निदेशकों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेनों का प्रकटीकरण

- (क) निदेशकों और उनके नातेदारों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले समस्त लेनदेन आदि (ट्रांजेक्शन / डीलिंग) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल को प्रकट किए जाएंगे।
- (ख) सभी निदेशक उन फर्मों / कारपोरेट एंटिटियों द्वारा किए गए व्यापार (ट्रेडिंग) को भी स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के समक्ष प्रकट करेंगे, जिनमें वे बीस प्रतिशत या उससे अधिक फायदाप्रद हित (बेनिफिशियल इंटरेस्ट) धारण करते हैं या नियंत्रक हित (कंट्रोलिंग इंटरेस्ट) धारण करते हैं।
- (ग) व्यौरों के साथ-साथ ऊपर खंड 5(क) तथा 5(ख) के तहत किए जाने वाले प्रकटीकरण (डिस्क्लोजर्स) की समय-सीमा का निर्धारण स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम द्वारा किया जाएगा, बशर्ते कि प्रकटीकरण के लिए जो समय-सीमा निर्धारित की जाए वह लेनदेन (ट्रांजेक्शन / डीलिंग) आदि किए जाने से पंद्रह दिनों से अधिक न हो।
- (घ) उन निदेशकों को इस अपेक्षा से छूट होगी, जो भारत सरकार द्वारा नामित अथवा भारत सरकार के कानूनी निकायों (स्टैट्यूटरी बॉडी) या सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं द्वारा नामित हों और जो अपनी स्वयं की संहिताओं द्वारा विनियमित हों।

6. हित-विरोध से बचना

- (क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी मंडल का कोई भी निदेशक या उसकी किसी समिति का कोई भी सदस्य किसी व्यक्ति / मामले के संबंध में कोई निर्णय लिए जाने / किसी न्यायनिर्णयन (अजूडीकेशन) में भाग नहीं लेगा, जिससे उसका किसी भी तरह से, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, संबंध हो या हित जुड़ा हो।
- (ख) किसी मामले में कोई हित-विरोध है या नहीं, इसका निर्णय शासी मंडल द्वारा किया जाएगा।

7. फायदाप्रद हित का प्रकटीकरण

सभी निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति पद संभालने पर और अपने कार्यकाल के दौरान शासी मंडल को निम्नलिखित प्रकट करेंगे :—

- (क) किसी व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य में स्वयं तथा परिवार के सदस्यों का कोई वैश्वासीक संबंध और स्वयं तथा परिवार के सदस्यों के निदेशक पद / की भागीदारी;
- (ख) शेयरधारिता, उन मामलों में जहाँ निदेशक / प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की शेयरधारिता, प्रत्यक्ष रूप से या उसके परिवार के माध्यम से, किसी सूचीबद्ध कंपनी में या प्रतिभूति बाजारों से संबंधित अन्य एंटिटियों में 5 प्रतिशत से अधिक हो जाती हो;
- (ग) कोई अन्य कारबार हित।

8. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम की दैनंदिन कार्यप्रणाली में अध्यक्ष और निदेशकों की भूमिका

- (क) अध्यक्ष और निदेशक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की दैनंदिन कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और अपनी भूमिका को नीतिगत मुद्दों तथा उन मुद्दों के संबंध में निर्णय लेने तक सीमित रखेंगे, जो शासी मंडल तय करे।
- (ख) अध्यक्ष और निदेशक अपने रोजमर्रा के कार्यों के संबंध में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के कर्मचारियों पर अपना प्रभाव नहीं डालेंगे।
- (ग) अध्यक्ष और निदेशक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में प्रत्यक्ष रूप से तब तक शामिल नहीं होंगे, जब तक कि शासी मंडल द्वारा विशेष रूप से ऐसा करने के लिए न कहा जाए।

9. जानकारी तक पहुँच

- (क) निदेशक केवल विशिष्ट समितियों में शामिल होने के नाते या शासी मंडल द्वारा प्राधिकृत किए जाने पर ही जानकारी मंगाएगा।
- (ख) जानकारी का आदान-प्रदान करने के माध्यम निर्धारित किए जाएंगे और इसके अतिरिक्त उसका ऑडिट-ट्रैल भी रखा जाएगा। गोपनीय दस्तावेज / जानकारी फिर से लेने पर उसे उचित ढंग से रिकॉर्ड में लिया जाएगा।

- (ग) ऐसी समस्त जानकारी (विशेष रूप से जो असार्वजनिक और कीमत संवेदनशील हो) गोपनीय रखी जाएगी और उसका इस्तेमाल किसी निजी प्रतिफल (कन्सिडरेशन) / लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।
- (घ) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के कारबार / कामकाज से संबंधित कोई जानकारी, जो निदेशकों / प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की जानकारी में, उनके कर्तव्यों के पालन के दौरान सामने आए, पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी, किसी पर-व्यक्ति (थर्ड पार्टी) को प्रकट नहीं की जाएगी और उसका इस्तेमाल वे अपने कर्तव्यों का पालन करने के सिवाय किसी भी प्रकार से नहीं करेंगे।

10. पद का दुरुपयोग

निदेशक / समिति के सदस्य, अपने पद का इस्तेमाल स्वयं के लिए या परिवार के सदस्यों के लिए संगठन में कारबार से संबंधित या कोई धन-संबंधी फायदा प्राप्त करने के लिए नहीं करेंगे।

11. प्रक्रियाएँ निर्धारित करने के लिए विनियामक निगरानी समिति

- (क) विनियामक निगरानी समिति संहिता को लागू करवाने के लिए प्रक्रियाएँ निर्धारित करेगी और संहिता के तहत अपेक्षित प्रकटीकरणों के लिए रिपोर्टिंग फॉर्मेट निर्धारित करेगी।
- (ख) अनुपालन अधिकारी विनियामक निगरानी समिति द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करेगा।

यद्यपि इस संहिता का उद्देश्य बाजार सत्यनिष्ठा और निवेशकों के विश्वास के स्तर को बढ़ाना है, इस बात पर जोर दिया जाता है कि लिखित सदाचार संहिता नैतिकता के उच्च स्तरों के अनुसरण की पूरी गारंटी नहीं दे सकती। इस उद्देश्य की पूर्ति केवल तभी हो सकती है जब मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति सही मायने में प्रणाली की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा को बढ़ाने के कार्य में स्वयं प्रतिबद्ध हों।

भाग-ग

[विनियम 28 देखें]

विनियामक विभागों को अलग किए जाने को सुनिश्चित करने हेतु उपाय

- (1) यह सुनिश्चित करने के लिए कि विनियामक विभाग अलग-अलग रहें, प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम "चाइनीज़ वॉल" की नीति अपनाएंगे, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के विनियामक विभागों को दूसरे विभागों से अलग करती हो। विनियामक विभागों में कार्यरत कर्मचारी विनियामक क्रियाकलाप से संबंधित कोई भी जानकारी दूसरे विभागों के किसी भी व्यक्ति को नहीं देंगे। विनियामक क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को दूसरे विभागों के कर्मचारियों से अलग रखा जा सकता है, ताकि उनका एक-दूसरे पर नियंत्रण न रहे। असाधारण परिस्थितियों में, दूसरे विभागों के कर्मचारियों को "जानने की आवश्यकता" के आधार पर गोपनीय जानकारी दी जा सकेगी, किंतु इसकी सूचना अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) को अवश्य दी जाएगी।
- (2) इन विनियमों के विनियम 28 के अनुसार विनियामक विभागों को अनिवार्य रूप से दूसरे विभागों से अलग करना होता है। इस प्रयोजनार्थ, यह दर्शाते हुए एक सूची नीचे दी गई है कि किस-किस विभाग को विनियामक विभाग माना जा सकता है। स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) का शासी मंडल नीचे दी गई सूची के अलावा विनियामक कार्य करने वाले किसी दूसरे विभाग को भी विनियामक विभाग मान सकता है।
- (3) स्टॉक एक्सचेंज में निम्नलिखित कार्य करने वाले विभागों को विनियामक विभाग माना जाएगा:-
 - (क) निगरानी (सर्वेलेन्स),
 - (ख) सूचीबद्धता (लिस्टिंग),
 - (ग) सदस्य का रजिस्ट्रीकरण,
 - (घ) अनुपालन (कंप्लायंस),
 - (ङ) निरीक्षण,
 - (च) प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट),
 - (छ) माध्यस्थता (अर्बिट्रेशन),
 - (ज) चूक (डिफॉल्ट),

- (झ) निवेशक संरक्षण,
- (ञ) निवेशक सेवाएँ,
- (4) समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) में निम्नलिखित कार्य करने वाले विभागों को विनियामक विभाग माना जाएगा:-
 - (क) जोखिम प्रबंधन (रिस्क मैनेजमेंट),
 - (ख) सदस्य का रजिस्ट्रीकरण,
 - (ग) अनुपालन (कंप्लायंस),
 - (घ) निरीक्षण,
 - (ङ) प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट),
 - (च) चूक (डिफॉल्ट),
 - (छ) निवेशक संरक्षण,
 - (ज) निवेशक सेवाएँ,
- (5) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम यह सुनिश्चित करेगा कि विनियामक विभागों (अर्थात् निगरानी, निरीक्षण, जोखिम प्रबंधन, चूक, निवेशक संरक्षण, निवेशक सेवाएँ आदि) में हमेशा पर्याप्त संख्या में ऐसे व्यक्ति कार्यरत रहें, जिनके पास पेशे और संबंधित क्षेत्र का अनुभव हो।

भाग-घ

स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन

[विनियम 4, 6 और 7 देखें]

- (1) स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के रूप में मान्यता की मांग करने वाले आवेदक को आवेदन करते समय प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956], प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) रूल्स, 1957] और इन विनियमों के विनियम 7 के तहत दी हुई सभी अपेक्षाओं को पूरा करने की अपनी क्षमता सिद्ध करनी होगी।
- (2) इन विनियमों के विनियम 7(5) के तहत सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान करने के प्रयोजनार्थ, बोर्ड उन कारकों पर विचार कर सकेगा, जो वह प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में ठीक समझे। इस प्रयोजनार्थ, बोर्ड निम्नलिखित जानकारी और दस्तावेजों पर विचार कर सकेगा, किंतु जो केवल इन तक ही सीमित नहीं हैं:-
 - (क) अगले पाँच वर्षों की कारबार संभाव्यता योजना (बिजनेस फीज़ेबिलिटी प्लान),
 - (ख) शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) का प्रमाणपत्र / वित्तीय बहियाँ और बैंक खाता विवरण,
 - (ग) उसके प्रत्येक कार्य का विस्तृत विवरण,
 - (घ) प्राधिकृत अधिकारियों के विवरण (प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं के हस्ताक्षर के नमूने के साथ),
 - (ङ) प्रस्तावित संगठनात्मक ढाँचा,
 - (च) जरूरी वचन (अंडरटेकिंग),
 - (छ) जनशक्ति योजना (मैन पावर प्लानिंग)
 - (ज) पृष्ठभूमि और आवश्यक जानकारी (जैसा यहाँ उल्लेख है), ताकि यह साबित हो सके कि उसके शेयरधारक / संप्रवर्तक (प्रोमोटर) उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं, उसके कार्यालय से संबंधित जानकारी मिल सके, और साथ ही यह जानकारी भी मिल सके कि प्रबंध निदेशक की नियुक्ति पूरी प्रक्रिया अपनाकर ही की गई है।
- (3) अंतिम मंजूरी प्रदान करने से पहले, उपरोक्त के अलावा, आवेदक बोर्ड को इस बात से भी संतुष्ट करेगा कि उसने निम्नलिखित का पालन भी किया है :
 - (क) स्टॉक एक्सचेंज के मामले में, मुख्य विभागों [जैसे - विधि (लीगल), सूचीबद्धता (लिस्टिंग), सदस्य के रजिस्ट्रीकरण और व्यापार एवं निगरानी] के अध्यक्षों की नियुक्ति,

- (ख) समाशोधन निगम के मामले में, मुख्य विभागों [जैसे - जोखिम (रिस्क), विधि (लीगल), समाशोधन एवं निपटान (क्लीयरिंग एंड सेटलमेंट)] के अध्यक्षों की नियुक्ति।
- (ग) बोर्ड द्वारा की गई जाँच / किए गए निरीक्षण के दौरान, बोर्ड द्वारा जारी किए गए अभिमतों का संतोषजनक रूप से पालन।
- (घ) कोई अन्य अपेक्षा, जो बोर्ड आवेदन के निपटारे हेतु जरूरी समझे।

भाग-ड

बोर्ड के पास मंजूरी के लिए समाशोधन निगम की उप-विधियाँ और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यता प्राप्त समाशोधन निगम के अनुच्छेदों / नियमों / उप-विधियों / विनियमों, आदि के संशोधन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

[विनियम 42 देखें]

- (1) समाशोधन निगम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956] की धारा 9 और इन विनियमों के विनियम 42 के लागू प्रावधानों के अनुसार उप-विधियाँ बनाएगा, जिनमें *अन्य बातों के साथ-साथ* निम्नलिखित से संबंधित प्रावधान होंगे -

- (क) निधियों (पैसें / फंड्स) और प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) के पे-इन और पे-आउट के समय से संबंधित;
- (ख) समाशोधन और निपटान (क्लीयरिंग एंड सेटलमेंट) के नियमों से संबंधित;
- (ग) जोखिम प्रबंधन की व्यवस्था से संबंधित;
- (घ) व्यापारों के निपटान के लिए नेटिंग, नोवेशन और गारंटी की प्रक्रिया से संबंधित;
- (ङ) इन विनियमों के विनियम 39 के अनुसार निधियों (पैसें / फंड्स) में अंशदान और उसके इस्तेमाल संबंधी मानदंडों से संबंधित;
- (च) समाशोधन निगम, दूसरे समाशोधन सदस्यों (क्लीयरिंग मेंबर्स), व्यापारिक सदस्यों (ट्रेडिंग मेंबर्स) और ऐसे व्यापारिक सदस्यों के ग्राहकों की तुलना में समाशोधन सदस्यों के अधिकारों और उनकी बाध्यताओं से संबंधित;
- (छ) समाशोधन सदस्य बनने और उन्हें विनियमित करने संबंधी मानदंडों से संबंधित;
- (ज) चूक से निपटने की व्यवस्था से संबंधित;
- (झ) समितियों से संबंधित;
- (ञ) किसी दूसरे विषय से संबंधित, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

- (2) **बोर्ड के पास मंजूरी के लिए अनुच्छेदों / नियमों / उप-विधियों / विनियमों, आदि के संशोधन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया:-** प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956], प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) रूल्स, 1957], इस संबंध में अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के संगम-ज्ञापन (मेमोरैंडम ऑफ असोसिएशन), संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन), नियमों, उप-विधियों (बाय-लॉज़), विनियमों (जो भी लागू हों) आदि के संशोधन निम्नलिखित के पश्चात् बोर्ड की मंजूरी हेतु प्रस्तुत किए जाएंगे:

- क. प्रस्तावित संशोधन / संशोधनों के संबंध में पहले स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) के शासी मंडल (गवर्निंग बोर्ड) की मंजूरी ली जाएगी, उसके बाद शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी (जहाँ लागू हो), फिर उसके बाद उसे / उन्हें बोर्ड के पास मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा और फिर उसके बाद उसे / उन्हें भारत के राजपत्र (जहाँ लागू हो) तथा संबंधित राज्य के राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा।
- ख. प्रस्ताव के साथ शासी मंडल के कार्यवृत्त, शेयरधारकों का संकल्प और जनता की टिप्पणियाँ लगाई जाएँगी। हालाँकि, यदि संशोधन बोर्ड के विनियमों, बोर्ड द्वारा जारी किए गए परिपत्रों (सर्कुलर्स) आदि के अनुसार किए जाएं, तो उनके लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।

भाग-च

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में इक्विटी शेयर धारण करने के संबंध में मंजूरी प्रदान करने हेतु आवेदन

[विनियम 19(4) देखें]

(1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में इक्विटी शेयर धारण करने के संबंध में बोर्ड की मंजूरी की मांग करते समय शेयरधारक निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करेगा:

- (क) नाम
- (ख) पता
- (ग) रोजगार / कारबार (यदि कोई हो) से संबंधित ब्यौरे
- (घ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड से प्राप्त रजिस्ट्रीकरण संख्या (यदि कोई हो)
- (ङ) अन्य कानूनी प्राधिकरणों (स्टैट्यूटरी अथॉरिटी) से प्राप्त रजिस्ट्रीकरण के ब्यौरे
- (च) इन विनियमों के विनियम 20 की अपेक्षाओं को पूरा किए जाने के संबंध में घोषणा।
- (छ) भारत में या विदेश में किसी कानूनी प्राधिकरण द्वारा उसके खिलाफ की गई कार्रवाई / उससे ली गई/उस पर लगाई गई शास्तियों (पेनल्टीज़) के ब्यौरे
- (ज) उन क्रियाकलापों के ब्यौरे, जिनकी वजह से शेयरधारकों की राय में वह अपात्र हो सकता हो।
- (झ) स्टॉक एक्सचेंजों / समाशोधन निगमों के व्यापारिक सदस्यों / समाशोधन सदस्यों के साथ संबंध।
- (ञ) भारत में या विदेश में किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण (ट्रायब्युनल) या किसी दूसरे कानूनी प्राधिकरण के समक्ष चल रहे मुकदमे, यदि कोई हों।
- (ट) उपयुक्त एवं उचित के संबंध में बोर्ड द्वारा पहले दी गई मंजूरियाँ, यदि कोई हों।

भाग—छ

शेयरधारिता संबंधी सीमाओं की निगरानी

[विनियम 19क देखें]

(1) विनियम 19 के उप-विनियम 10 के अनुसार, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम निगरानी की व्यवस्था निर्धारित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन विनियमों में निर्धारित शेयरधारिता संबंधी शर्तों का सदैव पालन हो। स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम:-

- (क) समय-समय पर शेयरधारिता संबंधी आँकड़ों को जाँचेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन विनियमों के अध्याय-IV के तहत निर्धारित शेयरधारिता संबंधी पाबंदियों का सदैव पालन किया जाता है।
- (ख) शेयरधारिता संबंधी सीमाओं का उल्लंघन होने पर, 7 दिनों के भीतर, उसकी सूचना बोर्ड को देगा।
- (ग) सूचीबद्ध स्टॉक एक्सचेंजों के मामलों में, बोर्ड द्वारा तारीख 1 जनवरी, 2016 को जारी किए गए परिपत्र (सर्कुलर) के अनुसार चलेगा।
- (घ) गैर-सार्वजनिक, एफआईआई और एफडीआई वर्ग में उपलब्ध शेयरों की संख्या अपने वेबसाइट पर प्रदर्शित करेगा। यह सूचना उस स्टॉक एक्सचेंज द्वारा भी प्रसारित की जाएगी, जहाँ शेयर सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।

भाग—ज

निदेशकों की नियुक्ति

[विनियम 24 और 25 देखें]

नियुक्ति की प्रक्रिया:—

(1) मंजूरी मांगते समय सभी निदेशक स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के समक्ष निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करेंगे—

- (क) नाम
- (ख) पता
- (ग) शैक्षणिक योग्यता (अर्हता)
- (घ) पिछले और वर्तमान रोजगार / व्यवसाय से संबंधित ब्यौरे
- (ङ) अन्य निदेशक-पद संबंधी ब्यौरे

- (च) डीआईएन नं.
- (छ) इन विनियमों के विनियम 20 के तहत निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा किए जाने संबंधी घोषणा।
- (ज) व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) का सहयोगी न होने के संबंध में, इन विनियमों के विनियम 2(1)(ख) के साथ पठित विनियम 23(6) का पालन किए जाने की पुष्टि संबंधी घोषणा।
- (झ) भारत में किसी कानूनी प्राधिकरण द्वारा की गई विनियामक कार्रवाई के ब्यौरे।
- (ञ) उन क्रियाकलापों के ब्यौरे जिनकी वजह से निदेशक की राय में वह अपात्र हो सकता हो।
- (ट) स्टॉक एक्सचेंजों / समाशोधन निगमों के व्यापारिक सदस्यों (ट्रेडिंग मेम्बर्स) / समाशोधन सदस्यों के साथ संबंध
- (ठ) अपने उन आश्रितों के नामों का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र), जो प्रतिभूति बाजार से सदस्य (मेम्बर), उप-दलाल (सब-ब्रोकर), प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में जुड़े हुए हों या जिनके पास बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण हो।
- (ड) यह वचन कि वह इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-क और भाग-ख में निर्धारित आचार संहिता और सदाचार संहिता का पालन करेगा।
- (ढ) लोक हित निदेशकों (पब्लिक इंटररेस्ट डायरेक्टर) के मामले में, लोक हित निदेशक के रूप में कार्य करने के लिए सहमति-पत्र।
- (ण) भारत में या विदेश में किसी प्राधिकरण के समक्ष पूरे हो चुके / लंबित आपराधिक मामले (यदि कोई हों)।
- (2) स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम बोर्ड को, उनके नामों की सिफारिश करते समय, बोर्ड के पास उपरोक्त ब्यौरे भेजेगा, और उनके साथ शासी मंडल (गवर्निंग बोर्ड) की बैठक (जिसमें नाम मंजूर किए गए) के कार्यवृत्त, शेयरधारकों के संकल्प (रेज़ोल्यूशन) [जहाँ कहीं लागू हो] की प्रति, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम की ओर से इस बात का पुष्टीकरण भेजेगा कि इन विनियमों में निर्धारित मानदंड के अनुसार निदेशक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं और वे इन विनियमों के विनियम (2)(1)(ख) के साथ पठित विनियम 23(6) के अनुसार किसी व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य के सहयोगी नहीं हैं।

प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) / कार्यपालक निदेशक (एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर):-

- (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की यह जिम्मेदारी होगी कि वह, यथास्थिति, सीईओ / प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) / कार्यपालक निदेशक (एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर) का चयन करे। प्रबंध निदेशक का चयन कम से कम एक राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र के सभी संस्करणों में खुले विज्ञापन के माध्यम से उन व्यक्तियों में से किया जाएगा, जो पूँजी बाजार / वित्त / प्रबंधन क्षेत्रों में योग्यता (अर्हता) रखते हों और जिनके पास पर्याप्त अनुभव हो। पुनःनियुक्ति किए जाने, या कार्यकाल बढ़ाने के मामले में, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम बोर्ड के पास, ऐसे प्रबंध निदेशक के अंतिम कार्य-दिवस से दो महीने पहले, आवेदन करेगा।
- (2) अप्रत्याशित कारणों से प्रबंध निदेशक के पद के रिक्त हो जाने के मामले में, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम त्यागपत्र प्रस्तुत किए जाने या इस प्रकार पद के रिक्त होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर बोर्ड को नए नाम भेज देगा।

लोक हित निदेशक:—

- (1) स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के बोर्ड की मंजूरी के बाद, लोक हित निदेशकों के नाम बोर्ड को भेजे जाएंगे। शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी नहीं होगी। लोक हित निदेशकों के प्रत्येक रिक्त पद के लिए बोर्ड को कम से कम दो नाम भेजे जाएंगे।
- (2) स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम यह सुनिश्चित करेगा कि लोक हित निदेशकों का चयन अलग-अलग कार्य-क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों में से किया जाए। किसी व्यक्ति विशेष का लोक हित निदेशक के रूप में प्रस्ताव करने का निर्णय लेते समय, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम नीचे दी गई बातों पर भी विचार करेगा:

(क) विधि, वित्त, लेखांकन (अकाउंटिंग), अर्थशास्त्र, प्रबंधन, प्रशासन के क्षेत्र में या वित्तीय बाजार से संबद्ध किसी अन्य क्षेत्र में योग्यता (अर्हता)।

- (ख) कम से कम एक ऐसा व्यक्ति चयन किया जाए जिसके पास वित्त / लेखांकन के क्षेत्र में अनुभव हो और जिसकी पृष्ठभूमि ऐसे क्षेत्र की रही हो तथा जिसे लेखापरीक्षा समिति में भी प्राथमिकता के साथ शामिल किया जा सके।
- (ग) वर्तमान में प्रतिष्ठित संगठनों में विश्वास और जिम्मेदारी वाले पदों को धारण करने वाले व्यक्ति या वे व्यक्ति जो ऐसे पदों से सेवानिवृत्त हुए हों।
- (घ) ऐसे व्यक्तियों को छोड़ दिया जाए जिनके बारे में यह संभावना हो कि वे स्टॉक एक्सचेंजों की वाणिज्यिक संविदाओं (कमर्शियल कॉण्ट्रैक्ट्स) और उसके वित्तीय मामलों में हित संबंधी पद धारण कर सकते हैं। साथ ही, उन लोगों को भी छोड़ दिया जाए जो बाजार में नियमित रूप से सौदे डालते (ट्रेडर्स) हों / सट्टेबाजी करते (स्पेक्यूलेटर्स) हों या स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम की संप्रवर्तक एंटीटी के बोर्ड में निदेशक हों।
- (3) लोक हित निदेशक संबद्ध कानूनों, आचार संहिता, सदाचार संहिता, आदि को ध्यान से पढ़ेंगे और स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के समक्ष इस बात का वचन प्रस्तुत करेंगे कि उन्हें अपनी भूमिका, अपनी जिम्मेदारियों और बाध्यताओं के बारे में पता है। स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम प्रत्येक लोक हित निदेशक को प्रत्येक वर्ष कम से कम सात दिनों का प्रशिक्षण प्रदान करेगा।
- (4) लोक हित निदेशक का कार्यकाल बढ़ाए जाने या नए लोक हित निदेशक की नियुक्ति करने के मामले में, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम कार्यकाल समाप्त होने से दो महीने पहले बोर्ड के पास आवेदन करेगा। यहाँ निर्धारित अन्य अपेक्षाओं के साथ-साथ, लोक हित निदेशक का कार्यकाल बढ़ाने के लिए दिए जाने वाले आवेदन के साथ विभिन्न अनिवार्य समितियों की बैठकों में और स्टॉक एक्सचेंजों / समाशोधन निगम के शासी मंडल में उसकी उपस्थिति के व्यौर दिए जाएंगे, उसके कार्य-निष्पादन की समीक्षा प्रस्तुत की जाएगी तथा कार्यकाल बढ़ाए जाने के कारण भी बताए जाएंगे।
- (5) मौजूदा लोक हित निदेशक तब तक अपने पद पर बना रहेगा, जब तक कि उसके स्थान पर नए लोक हित निदेशक की नियुक्ति नहीं हो जाती।

शेयरधारक निदेशक

- (1) शेयरधारक निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों के नाम पहले स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के शासी मंडल द्वारा मंजूर किए जाएंगे, उसके बाद शेयरधारकों द्वारा मंजूरी दी जाएगी, तब जाकर उसे (उन्हें) बोर्ड के समक्ष मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।
- (2) शेयरधारक निदेशक की चयन प्रक्रिया, उसकी नियुक्ति, उसका कार्यकाल, उसका त्यागपत्र, उसका अवकाश, आदि का तरीका, इन विनियमों के तहत विशेष रूप से किए गए अन्य प्रावधानों को छोड़कर, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार होगा।

शासी मंडल की सलाहकार समिति में व्यापारिक सदस्यों (ट्रेडिंग मेंबर्स) / समाशोधन सदस्यों (क्लीयरिंग मेंबर्स) का चयन:—

- (1) सलाहकार समिति में नियुक्त किए जाने से पहले, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम का शासी मंडल इस बात से स्वयं की संतुष्टि कर लेगा कि व्यापारिक सदस्य / समाशोधन सदस्य इन विनियमों के विनियम 20 के अनुसार उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं। शासी मंडल, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के व्यापारिक सदस्यों / समाशोधन सदस्यों के परामर्श से, सलाहकार समिति के सदस्यों के पात्रता मानदंड, कार्यकाल, विराम-अवधि (क्लिंग ऑफ पीरियड) आदि निर्धारित करेगा।

निदेशकों की नियुक्ति की सामान्य शर्तें:-

- (1) बोर्ड द्वारा निदेशकों के लिए नामांकन किए जाने / मंजूरी दिए जाने से 30 दिनों के भीतर स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करेगा, और नियुक्ति की तारीख से एक सप्ताह के भीतर पालन किए जाने संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- (2) यदि शासी मंडल में प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम के किसी दूसरे अधिकारी को नियुक्त किया जाता है, तो पहले शेयरधारकों की और फिर उसके बाद बोर्ड की मंजूरी लेनी होगी।

भाग-झ

प्रतिकर संबंधी नीति के लिए मानदंड

[विनियम 27(3) देखें]

- (1) इन विनियमों के विनियम 27 में यह प्रावधान है कि स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति के लिए प्रतिकर संबंधी नीति बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार हो। इस संबंध में, प्रतिकर संबंधी मानदंड निम्नानुसार होंगे :—
- (क) परिवर्ती (वेरिएबल) वेतन कुल वेतन के एक-तिहाई से अधिक नहीं होगा।
- (ख) परिवर्ती (वेरिएबल) वेतन के 50% का भुगतान तीन वर्षों के बाद आस्थगित आधार पर किया जाएगा।
- (ग) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को प्रतिकर के तौर पर स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम में ईएसओपी और इक्विटी से जुड़े अन्य लिखतों (इंस्ट्रुमेंट्स) की पेशकश नहीं की जाएगी या नहीं दिए जाएंगे, जैसे प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को प्रतिकर के रूप में दिया जाता है।
- (घ) प्रतिकर संबंधी नीति में आस्थगित पारिश्रमिक के संबंध में मालुज एवं क्लॉबैक की व्यवस्थाएँ होंगी।
- (2) उपरोक्त के अलावा, स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन नीति की प्रतिकर संबंधी नीति के तहत निम्नलिखित पर विचार किया जाएगा:
- (क) स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम की वित्तीय स्थिति,
- (ख) समान रैंक में कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रतिकर के औसत स्तर,
- (ग) इस नीति में कम अवधि में ज्यादा जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहन के संबंध में कोई प्रावधान नहीं होगा,
- (घ) स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम की आमदनी, उसके शुद्ध लाभ,
- (ङ) उसका उद्योग मानकों के अनुसार होना,
- (च) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की भूमिका और जिम्मेदारियाँ,
- (छ) समय-समय पर की जाने वाली समीक्षा
- (3) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के लिए बोर्ड से मंजूरी की मांग करते समय, स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम प्रबंध निदेशक के प्रतिकर के संबंध में भी बोर्ड की मंजूरी लेगा। स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम के जिस प्रबंध निदेशक की नियुक्ति बोर्ड की मंजूरी लेकर पहले ही की जा चुकी हो, उसका प्रतिकर ऊपर उल्लिखित प्रतिकर संबंधी नीति के अनुसार होगा। उसे इन विनियमों को जारी किए जाने की तारीख से तीन महीनों के भीतर बोर्ड के पास मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

भाग-ज

विविध

- (1) **विरोध के समाधान के लिए आंतरिक मैनुअल:** स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम के यहाँ एक आंतरिक मैनुअल होगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम के वाणिज्यिक (कमर्शियल) और विनियामक (रेग्युलेटरी) कार्यों के बीच होने वाले विरोधों से कैसे निपटा जाएगा। स्टॉक एक्सचेंज/समाशोधन निगम विभिन्न हित-विरोधों (जो उसके विनियामक विभागों के कार्यों से जुड़े हों) के संबंध में अपने कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए और उन्हें जागरूक बनाने के लिए एक नीति निर्धारित करेगा। इसके अलावा, संपूर्ण विरोध से निपटने संबंधी ढाँचे की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी और ऐसी समीक्षा के समय दिए गए अभिमतों के आधार पर उसे और सशक्त बनाया जाएगा।

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असाधारण/247/18]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 3rd of October, 2018

Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018

No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/41.—In exercise of the powers conferred by sections 4, 8A and 31 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, read with sections 11 and 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations to regulate recognition, ownership and governance in stock exchanges and clearing corporations and matters connected therewith or incidental thereto, namely:—

CHAPTER I**PRELIMINARY****Short title and commencement**

- 1.** (1) These regulations may be called the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018.
- (2) They shall come into force on the date of their notification in the Gazette of India.

Definitions

- 2.** (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, the terms defined herein shall bear the meanings assigned to them below, and their cognate expressions shall be construed accordingly,—
 - (a) "Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
 - (b) "associate" in relation to a person shall include another person:
 - (i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with other persons, exercises control over the first person;
 - (ii) who holds control of atleast twenty percent of the total voting power of the first person;
 - (iii) who is a holding company or a subsidiary company of the first person
 - (iv) who is a relative of the first person;
 - (v) who is a member of a Hindu Undivided Family wherein the first person is also a member;
 - (vi) such other cases where the Board is of the view that a person shall be considered as an associate based on the facts and factors including the extent of control, independence, conflict of interest;
 - (c) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under the provisions of section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
 - (d) "clearing corporation" means an entity that is established to undertake the activity of clearing and settlement of trades in securities or other instruments or products that are dealt with or traded on a recognized stock exchange and includes a clearing house;
 - (e) "clearing member" means a person having clearing rights in any recognized clearing corporation and includes a clearing member as defined in clause (ae) of sub-regulation (1) of Regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992
 - (f) "company" shall mean a company as defined in section 3 of the Companies Act, 2013;
 - (g) "commodity derivatives exchange" means a recognized stock exchange which assists, regulates or controls the business of buying, selling or dealing in commodity derivatives and option in securities with the prior approval of the Board.
 - (h) "control" shall have the same meaning as assigned to it under clause (e) of sub- regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any modification thereof;

- (i) "governing board" means the board of directors of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation;
 - (j) "key management personnel" includes a person serving as head of any department or in such senior executive position that stands higher in hierarchy to the head(s) of the department(s) in the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation, or any person who directly reports to chief executive officer or to the director on the governing board of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, or any person upto two levels below the chief executive officer or managing director, or any other person as may be identified by its Nomination and Remuneration Committee;
 - (k) "netting" means the determination by clearing corporation of net payment or delivery obligations of the clearing members of a recognised clearing corporation by setting off or adjustment of the inter- se obligations or claims arising out of buying and selling of securities, including the claims and obligations arising out of the determination by the clearing corporation or stock exchange, on the insolvency, winding-up, liquidation or resolution of any clearing member or trading member or client or such other circumstances as the clearing corporation may specify in its bye-laws, of the transactions admitted for settlement at a future date, so that only a net claim be demanded, or a net obligation be owed;
 - (l) "novation" means the act of one or more recognised clearing corporations interposing between the parties of every trade, so as to be a legal counterparty;
 - (m) "persons acting in concert" in the context of acquisition or holding of shares or voting rights or control shall *mutatis mutandis* have the same meaning as assigned to it in clause (q) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any amendments thereof;
 - (n) "public" includes any member or section of the public but does not include any trading member or clearing member or their associates and agents;
 - (o) "public interest director" means an independent director representing the interests of investors in securities market and who is not having any association, directly or indirectly, which in the opinion of the Board, is in conflict with his role;
 - (p) "recognised clearing corporation" means a clearing corporation which is recognised by the Board under section 4 read with section 8A of the Act;
 - (q) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is recognized by the Board under section 4 of the Act.
 - (r) "regulatory department" means a department of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation which is entrusted with regulatory powers and duties and includes such department as may be specified by the Board;
 - (s) "rules" means the Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957;
 - (t) "shareholder director" means a director who represents the interest of shareholders, and elected or nominated by such shareholders who are not trading members or clearing members, as the case may be, or their associates and agents;
 - (u) "trading member" means a person having trading rights in any recognized stock exchange and includes a stock broker.
- (2) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act, the Companies Act, 2013, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996 or any rules or regulations made thereunder shall have the same meanings respectively assigned to them in those Acts, rules or regulations made thereunder or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

CHAPTER II**RECOGNITION OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS****Obligation to seek recognition**

3. No person shall conduct, organise or assist in organising any stock exchange or clearing corporation unless he has obtained recognition from the Board in accordance with the Act, rules and these regulations:

Application for recognition

4. Subject to compliance with the provisions of Act, rules and these regulations, an application for recognition as a stock exchange shall be submitted to the Board in Form A as prescribed under rule 3 of the rules and an application for recognition as a clearing corporation shall be submitted to Board in Form A as specified in Schedule - I of these regulations.

Fee for application

5. An applicant seeking recognition as a stock exchange shall pay the application fee in terms of rule 4 of the rules and an applicant seeking recognition as a clearing corporation shall also pay the application fee as payable by a stock exchange.

Documents and particulars for application

6. An application for recognition as a stock exchange or a clearing corporation, as the case may be, shall be accompanied by the copy of the memorandum of association, articles of association, bye-laws and other documents as provided in sections 3 and 4 of the Act, rule 5 of the rules and these regulations.

Consideration of grant of recognition

7. (1) The application under regulation 4 shall be governed by the provisions of the Act, rules and these regulations.
- (2) An applicant seeking recognition as a stock exchange or clearing corporation shall comply with the following conditions, namely :—
- (a) the applicant is a company limited by shares;
 - (b) the applicant is demutualised;
 - (c) the applicant, its directors and its shareholders who hold or intend to hold shares, are fit and proper persons as specified in regulation 20;
 - (d) the applicant satisfies the requirements relating to the ownership and governance structure specified in these regulations;
 - (e) the applicant satisfies the networth requirements specified in these regulations;
 - (f) the applicant satisfies the requisite capability including its financial capacity, functional expertise and infrastructure.

Explanation.—For the purposes of this sub-regulation, the term "demutualised" means that the ownership and management of the applicant is segregated from the trading rights or clearing rights, as the case may be, in terms of these regulations.

- (3) An applicant seeking recognition as a stock exchange shall, in addition to the conditions as specified in sub-regulations (1) and (2), comply with the following conditions, namely:—
- (a) the applicant has the necessary infrastructure for the orderly execution of trades;
 - (b) the applicant has an online screen-based trading system;
 - (c) the applicant has an online surveillance capability which monitors positions, prices and volumes in real time so as to ensure market integrity;
 - (d) the applicant has adequate infrastructure to list securities for trading on its platform, wherever applicable;

- (e) the applicant has necessary capability to have a nationwide network of trading members and has adequate facility to admit and regulate its members;
 - (f) the applicant has made necessary arrangements to establish connectivity with its trading members and clearing corporation;
 - (g) the applicant has adequate Investor Protection Fund and Investor Services Fund;
 - (h) the applicant has adequate investor grievances redressal mechanism and arbitration mechanism to resolve disputes arising out of trades and its settlement;
 - (i) the applicant has the facility to disseminate information about trades, quantities and quotes in real time to at least two information vending networks which are accessible to investors in the country;
 - (j) the applicant has adequate systems' capacity supported by a business continuity plan including a disaster recovery site;
 - (k) the applicant has in its employment, sufficient number of persons having adequate professional and other relevant experience;
 - (l) the business feasibility plan has been appraised by a reputed agency having expertise in securities market; and
 - (m) any other conditions as may be specified by the Board.
- (4) An applicant seeking recognition as a clearing corporation shall, in addition to the conditions as specified in sub-regulations (1) and (2), comply with the following conditions, namely:—
- (a) the applicant has necessary infrastructure to ensure timely clearing and settlement of trades;
 - (b) the applicant has adequate risk management mechanism;
 - (c) the applicant has a settlement procedure including netting, novation and guarantee for settlement of trades in place, which is in accordance with the manner specified by the Board;
 - (d) the applicant has the capacity to establish a fund to guarantee settlement of trades;
 - (e) the applicant has necessary capability to have a wide network of clearing members and has adequate facility to admit and regulate its members;
 - (f) the applicant has established connectivity with the depositories, clearing banks, stock exchange and clearing members;
 - (g) the applicant has adequate systems' capacity for on-line/real time risk management of trades cleared and settled and is supported by a suitable business continuity plan including a disaster recovery site;
 - (h) the applicant has in its employment, sufficient number of persons having adequate professional and other relevant experience to the satisfaction of the Board;
 - (i) the applicant has the necessary arrangements in place for resolving disputes and redressal of grievances arising out of clearing and settlement of trades;
 - (j) the applicant has an agreement with a depository and with a recognised stock exchange in respect of clearing and settlement of the trades;
 - (k) the business feasibility plan has been appraised by a reputed agency having expertise in securities market; and
 - (l) any other conditions as may be specified by the Board.
- (5) The Board may, on being satisfied with the capability of the applicant to comply with the conditions laid down in this regulation, grant in-principle approval to the applicant which shall be valid for a period of one year:

Provided that the Board may, upon sufficient cause shown by the applicant, extend the validity of in-principle approval for a further period not exceeding six months or any other period as specified by the Board.

- (6) An application for recognition shall be made in the manner as specified under PART –D of Schedule – II of these regulations.

Power to make inquiries and call for information

8. The Board may, before granting recognition to a stock exchange or clearing corporation, make inquiries and require such further information or document to be furnished, as it may deem necessary.

Grant of recognition

9. (1) The Board may, after considering the application under regulation 4 and on being satisfied that the applicant has complied with the conditions laid down in regulation 7 and is eligible to act as a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, as the case may be, grant recognition to the applicant in terms of section 4 of the Act, in the interest of the securities market.
- (2) The recognition granted to a stock exchange under sub-regulation (1) shall be in Form B of the rules.
- (3) The recognition granted to a clearing corporation shall be in Form B of Schedule-I of these regulations.
- (4) The recognised stock exchange and the recognised clearing corporation shall comply with such other conditions, including those with regard to the nature of securities to be dealt with, as may be imposed by the Board from time to time.

Period of recognition

10. (1) The period of recognition granted to a stock exchange shall be as per rule 6 of the rules.
- (2) The recognition granted to a clearing corporation, unless granted on a permanent basis, shall be for such period not less than one year as may be specified by the Board.

Regulatory fee

11. (1) Every recognised stock exchange shall pay the regulatory fee in terms of Securities and Exchange Board of India (Regulatory Fee on Stock Exchanges) Regulations, 2006.
- (2) Every recognised clearing corporation shall pay the regulatory fee as the Board may specify.

Renewal of recognition

12. (1) The provisions of these regulations, as applicable to the grant of recognition to a stock exchange, shall in addition to rule 7 of the rules also apply in relation to an application for renewal of recognition of a recognised stock exchange.
- (2) A recognised clearing corporation desirous of renewal of recognition shall make an application to the Board in Form A of Schedule-I of these regulations and such application shall reach the Board atleast three months prior to the date of expiry of the recognition.
- (3) The provisions of these regulations, as applicable to the grant of recognition to a clearing corporation, shall also apply in relation to an application for renewal of recognition of a recognised clearing corporation.
- (4) An applicant seeking renewal of recognition as a stock exchange shall pay fee in terms of rule 7 of the rules, and an applicant seeking renewal of recognition as a clearing corporation shall also pay fee as payable by a stock exchange.
- (5) The recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall comply with the applicable conditions specified in sub-regulation (3) and sub-regulation (4) of regulation 7, as the case may be, on a continuous basis.

Withdrawal of recognition

- 13.** The recognition granted to a stock exchange or a clearing corporation may be withdrawn in the manner provided under section 5 of the Act.

CHAPTER III**NETWORTH OF STOCK EXCHANGE AND CLEARING CORPORATION****Net worth requirements**

- 14.** (1) Every recognised stock exchange shall have a minimum networth of one hundred crore rupees at all times.
- (2) Every applicant seeking recognition as a clearing corporation under regulation 4 shall have a minimum networth of one hundred crore rupees.
- (3)(a) Every recognized clearing corporation, on commencement of operations, shall, on an ongoing basis, maintain capital including retained earnings and reserves, as may be specified by the Board from time to time, to adequately cover counterparty credit risk, business risk, legal and operational risk.
- (b) Every recognized clearing corporation shall hold additional capital to cover costs required for orderly wind-down or recovery of operations.
- (c) Every recognized clearing corporation shall maintain, at all times, a minimum net worth of one hundred crore rupees or capital as determined under regulation 14(3)(a) and 14(3)(b), whichever is higher.
- (4) A recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not distribute profits in any manner to its shareholders until the networth specified under sub-regulations (1), (2) and (3), as the case may be, is achieved.
- (5) Every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall submit an audited networth certificate from the statutory auditor on a yearly basis by the thirtieth day of September of every year for the preceding financial year.

Explanation I.—For the purposes of this regulation, 'networth of a stock exchange' means the aggregate value of paid up equity share capital plus free reserves (excluding statutory funds, benefit funds and reserves created out of revaluation) reduced by the investments in businesses, whether related or unrelated, aggregate value of accumulated losses and deferred expenditure not written off, including miscellaneous expenses not written off.

Explanation II.—For the purposes of this regulation, 'networth of a clearing corporation' means the aggregate value of its liquid assets calculated in the manner as specified by the Board from time to time.

CHAPTER IV**OWNERSHIP OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS****Definitions**

- 15.** For the purposes of this Chapter:

- (1) "banking company" shall have the same meaning as assigned to it in clause (c) of section 5 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (2) "insurance company" shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (8) of section 2 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938);
- (3) "person resident in India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (v) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999);
- (4) "person resident outside India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (w) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999).

- (5) “public financial institution” shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (72) of section 2 of the Companies Act, 2013.

General conditions

- 16.** (1) Save as otherwise provided in these regulations, the shareholding or voting rights of any person in a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not exceed the limits specified in this Chapter at any point of time.
- (2) The shareholding as specified in this Chapter shall include any instrument owned or controlled, directly or indirectly, that provides for entitlement to equity or rights over equity at any future date.

Shareholding in a recognised stock exchange

- 17.** (1) The public holding in a recognised stock exchange shall not be less than fifty one per cent of the paid up equity share capital of that recognised stock exchange.
- (2) No person resident in India shall at any time, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange:
- Provided that,—
- (a) a stock exchange;
 - (b) a depository;
 - (c) a banking company;
 - (d) an insurance company; and
 - (e) a public financial institution,
- may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange.
- (3) No person resident outside India, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, shall acquire or hold more than five per cent of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange :

Provided that,—

- (a) insurance company;
- (b) a foreign commodity derivatives exchange; and
- (c) a a foreign stock exchange;
- (d) a foreign depository;
- (e) a foreign banking company;
- (f) a foreign bilateral or multilateral financial institution approved by the Central Government,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange.

Explanation.—For the purposes of this proviso, the persons referred to in clauses (a) to (f) shall mean persons recognised/ incorporated outside India.

- (4) Subject to the limits as otherwise prescribed by the Central Government from time to time, the combined holding of all persons resident outside India in the paid up equity share capital of a recognised stock exchange shall not exceed, at any time, forty-nine per cent of its total paid up equity share capital.
- (5) No clearing corporation shall hold any right, stake or interest, of whatsoever nature, in any recognised stock exchange.

Shareholding in a recognised clearing corporation

18. (1) The capital structure in a recognized clearing corporation shall be such that atleast fifty one percent of its paid up equity share capital shall always be held by one or more recognized stock exchange(s):

Provided that no recognised stock exchange shall, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than fifteen per cent of the paid up equity share capital in more than one recognised clearing corporation.

- (2) No person resident in India, except a recognised stock exchange as permitted in sub- regulation (1), shall at any time, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital in a recognised clearing corporation:

Provided that,—

- (a) a depository;
- (b) a banking company;
- (c) an insurance company; and
- (d) a public financial institution,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent of the paid up equity share capital of a recognised clearing corporation.

- (3) No person resident outside India shall, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent of the paid up equity share capital in a recognised clearing corporation.

Provided that,—

- (a) a foreign stock exchange;
- (b) a foreign depository;
- (c) a foreign banking company;
- (d) a foreign insurance company;
- (e) a foreign commodity derivatives exchange; and
- (f) a bilateral or multilateral financial institution approved by the Central Government,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent of the paid up equity share capital of a recognized clearing corporation.

Explanation.—For the purposes of this proviso, the persons referred to in clauses (a) to (f) shall mean persons recognised/ incorporated outside India.

- (4) Subject to the limits as otherwise prescribed by the Central Government from time to time, the combined holding of all persons resident outside India in the paid up equity share capital of a recognised clearing corporation shall not exceed, at any time, forty-nine per cent of its total paid up equity share capital.

Eligibility for acquiring or holding shares

19. (1) No person shall, directly or indirectly, acquire or hold any equity shares or voting rights of a recognised stock exchange or recognized clearing corporation unless he is a fit and proper person:

Provided that the onus shall be on the recognised stock exchange/ recognised clearing corporation to ensure that all its shareholders are fit and proper persons:

Provided further that such a requirement to ensure that all its shareholders are fit and proper persons shall not be applicable to a listed recognized stock exchange for shareholding of a person who

directly or indirectly, acquires or holds less than two percent equity shares or voting rights of such listed recognized stock exchange.

- (2) Any person who acquires equity shares or voting rights, in a recognised stock exchange or recognized clearing corporation, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, that entitles the person(s) so acquiring to exercise any voting rights in the range of two percent to five per cent, shall seek approval of the Board within fifteen days of such acquisition.
- (3) A person eligible to acquire or hold more than five per cent of the paid up equity share capital under sub-regulation (2) and (3) of regulation 17 and sub-regulation (2) and (3) of regulation 18 may acquire or hold more than five per cent of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation only if he has obtained prior approval of the Board.
- (4) The application for seeking approval in terms of sub-regulation (2) or sub-regulation (3) of this regulation shall be made to the Board in the manner specified at PART –F of Schedule – II of these regulations through the concerned stock exchange / clearing corporation.
- (5) The stock exchange / clearing corporation shall verify the declarations/ undertakings given by the shareholders under sub-regulation (4) and forward the application along with its recommendation for approval to the Board.
- (6) If approval under sub-regulation (2) is not granted by the Board to any person, such person shall forthwith divest his entire shareholding in the recognised stock exchange / recognised clearing corporation.
- (7) Any person holding two per cent. or more of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, as the case may be, shall file a declaration within fifteen days from the end of every financial year to the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, as the case may be, that he complies with the fit and proper criteria provided in these regulations.

Monitoring of shareholding limits

19A. The recognised stock exchange / recognised clearing corporation shall put in place a monitoring mechanism as specified in Part G of Schedule – II of these regulations to ensure compliance with the shareholding conditions specified in these regulations at all times.

Requirement and criteria of fit and proper

20. (1) The recognised stock exchange/ recognised clearing corporation shall ensure that all its directors and key management personnel are fit and proper persons at all times.

(2) For the purposes of these regulations, a person shall be deemed to be a fit and proper person if—

- (a) such person has a general reputation and record of fairness and integrity, including but not limited to—
 - (i) financial integrity;
 - (ii) good reputation and character; and
 - (iii) honesty;
- (b) such person has not incurred any of the following disqualifications—
 - (i) the person or any of its whole time directors or managing partners, has been convicted by a court for any offence involving moral turpitude or any economic offence or any offence against the securities laws;
 - (ii) an order for winding up has been passed against the person;
 - (iii) the person, or any of its whole time directors or managing partners, has been declared insolvent and has not been discharged;
 - (iv) an order, restraining, prohibiting or debarring the person or any of its whole time directors or managing partners, from dealing in securities or from accessing the securities market, has

been passed by the Board or any other regulatory authority and a period of three years from the date of the expiry of the period specified in the order has not elapsed;

(v) any other order against the person, or any of its whole time directors or managing partners, which has a bearing on the securities market, has been passed by the Board or any other regulatory authority, and a period of three years from the date of the order has not elapsed;

(vi) the Board has initiated recovery proceedings under the SEBI Act, 1992 and are pending;

(vii) the person has been found to be of unsound mind by a court of competent jurisdiction and the finding is in force;

(viii) the person is financially not sound or has been categorized as a willful defaulter; and

(ix) any other disqualification as specified by the Board.

(3) If any question arises on the decision of a recognised stock exchange or recognized clearing corporation as to whether a person is a fit and proper person, the Board's decision on such question shall be final.

Disclosure of shareholding

21. (1) Without prejudice to the provisions of the Act, rules and these regulations, the recognised stock exchange(s) and the recognised clearing corporation(s) shall disclose to the Board, in the format specified by the Board, their shareholding pattern on a quarterly basis within fifteen days from the end of each quarter, including therein the following: —

(a) the names of the ten largest shareholders along with the number and percentage of shares held by them;

(b) the names of the shareholders falling under regulations 17 and 18 who had acquired shares in that quarter.

(2) A recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall monitor and ensure compliance with this Chapter at all times.

Record keeping

22. In addition to the requirements under other laws in force, a recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall maintain and preserve all the books, registers, other documents and records relating to the issue or transfer of its securities for a period of not less than eight years.

CHAPTER V

GOVERNANCE OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS

Composition of the governing board

23. (1) The governing board of every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall include:

(क) shareholder directors;

(ख) public interest directors; and,

(ग) managing director.

(2) Subject to the prior approval of the Board, the chairperson shall be elected by the governing board from amongst the public interest directors.

(3) The number of public interest directors shall not be less than the number of shareholder directors on the governing board of a recognised stock exchange and recognized Clearing Corporation.

(4) The managing director shall be included in the category of shareholder directors.

- (5) Any employee of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation may be appointed on the governing board in addition to the managing director and such director shall be deemed to be a shareholder director.
- (6) No trading member or clearing member or their associates and agents, irrespective of the stock exchange / clearing corporation of which they are members, shall be on the governing board of any recognised stock exchange or recognised clearing corporation.
- (7) For the purposes of sub-regulation (6) above, a person who is a director in an entity, that itself is a trading member or clearing member or has associate(s) as trading member(s) or clearing member(s) shall be deemed to be a clearing member or trading member:

Provided a person shall not be deemed to be clearing member and / or trading member or their associate for the purpose of sub-regulation (6), if he/she is on the board of a public financial institution or bank which is in public sector, or which either has no identifiable ultimate promoter, or the ultimate promoter is in public sector or has well diversified shareholding, and such Public Financial Institution or Bank or its associate is a clearing member and / or trading member:

Provided further that the independent directors of the associates of Public Financial Institution or Bank in public sector, who are clearing member and/or trading member and where the majority shareholding is that of such public Financial institution or bank in the public sector, shall not be deemed to be a clearing member and / or trading member for the purpose of sub-regulation (6).

- (8) The appointment of director shall be subject to the fulfillment of other requirements and satisfaction of the Board.
- (9) A recognised stock exchange and recognised clearing corporation, shall monitor and ensure the compliance of sub-regulation (6) on continuous basis, to ensure that directors appointed, on their governing board, do not get associated with trading member or clearing member after approval of appointment.
- (10) The number of public interest directors shall not be less than the number of shareholder directors to constitute the quorum for the meeting of the governing board.
- (11) The voting on a resolution in the meeting of the governing board shall be valid only when the number of public interest directors that have cast their vote on such resolution is equal to more than the number of shareholder directors who have cast their vote on such resolution.
- (12) The casting vote in the meetings of the governing board of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall be with the chairperson of the governing board.
- (13) No foreign portfolio investor shall have any representation in the governing board of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation.

Conditions of appointment of directors

24. (1) The appointment and re-appointment of all shareholder directors on the governing board of every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall be with the prior approval of the Board.
- (2) The public interest directors on the governing board of the recognised stock exchange(s) and the recognised clearing corporation(s) shall be nominated by the Board.
- (3) Public interest directors shall be nominated for a term of three years, extendable by another term of three years, subject to performance review in the manner as may be specified by the Board:

Provided that post the expiry of term(s) at the recognized stock exchange or the recognized clearing corporation, a public interest director may be nominated for a further term of three years in other recognized clearing corporation or recognized stock exchange, or a depository, only after a cooling-off period of one year:

Provided further that a person may be nominated as a public interest director for a maximum of three terms across recognized stock exchanges / recognized clearing corporations / depositories, subject to a maximum age limit of seventy five years.

- (4) A public interest directors on the board of a recognized stock exchange or a recognized clearing corporation shall not act simultaneously as director on the board of its subsidiary or on the board of any other recognized stock exchange or recognized clearing corporation or depository or on the board of subsidiary of such other recognized stock exchange or recognized clearing corporation or depository.
- (5) A public interest director on the board of a recognized stock exchange or a recognized clearing corporation shall keep its governing board apprised of any conflict of interest, which may arise as a result of the public interest director providing services, either directly or indirectly, to any company listed or traded on that recognized stock exchange, to any trading member or clearing member or their associates and agents
- (6) No public interest director shall become a shareholder director unless there is a cooling-off period of three years after ceasing to be a public interest director.
- (7) No public interest director on the board of a recognized stock exchange or a recognized clearing corporation, shall become a director on the board of subsidiary of that recognized stock exchange or recognized clearing corporation, as the case may be, unless there is a cooling-off period of three years after ceasing to be a public interest director.
- (8) A public interest director on the board of a recognized stock exchange or a recognized clearing corporation shall not act simultaneously as a member on more than five committees of that recognized stock exchange or a recognized clearing corporation.
- (9) Public interest directors shall be remunerated only by way of sitting fees as admissible to independent directors in the Companies Act, 2013.
- (10) If any issue arises as to whether an assignment or position of a public interest director is in conflict with his role, the Board's decision shall be final.
- (11) The application for appointment of Directors shall be made in the manner as specified under PART –H of Schedule – II of these regulations.

Appointment of managing director

- 25.** (1) The appointment, renewal of appointment and termination of service of the managing director of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall be subject to the prior approval of the Board.
- (2) Every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall, subject to the guidelines issued by the Board from time to time, determine the qualification, manner of appointment, terms and conditions of appointment and other procedural formalities associated with the selection/ appointment of the managing director.
- (3) The appointment of the managing director shall be for a term not exceeding five years:
- Provided that post the completion of the first term, the recognized stock exchange or the recognized clearing corporation shall conduct the appointment process for appointment of the Managing Director afresh:
- Provided further that a person may be appointed as the Managing Director by the recognized stock exchange or recognized clearing corporation for a maximum of two terms not exceeding five years each, subject to a maximum age limit of sixty five years.
- (4) The Managing director of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not—
- (a) be a shareholder or an associate of a shareholder of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation or shareholder of an associate of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation, as the case may be;
 - (b) be a trading member or a clearing member or his associate and agent or shareholder of a trading member or clearing member or shareholder of an associate and agent of a trading member or a clearing member; or

(c) hold any position concurrently in the subsidiary of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation or in any other entity associated with a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation:

Provided that the Managing Director of a recognised stock exchange may be appointed on the governing board, but not as managing director, of the subsidiary of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation.

(3) The Managing Director shall be liable for removal or termination of services by the governing board of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation with the prior approval of the Board for failure to give effect to the directions, guidelines and other orders issued by the Board or the rules, the articles of association, bye-laws and regulations of the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation.

(4) The Board may *suo motu* remove or terminate the appointment of the managing director if deemed fit in the interest of securities market:

Provided that no managing director shall be removed unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(5) The conditions specified under this regulation for appointment of directors shall be applicable to a person holding position as managing director in a stock exchange or a clearing corporation on the date of commencement of these regulations.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (7), the applicability shall be determined post the completion of the existing term and the prior term(s) completed by a managing director on the governing board of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall also be considered while determining the eligibility.

Code of Conduct for directors and key management personnel

26. (1) Every director of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall abide by the Code of Conduct specified under Part- A of Schedule- II of these regulations.

(2) Every director and key management personnel of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall abide by the Code of Ethics specified under Part- B of Schedule- II of these regulations.

(3) Every director and key management personnel of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall be a fit and proper person as described in regulation 20.

(4) The Board may, for any failure by the directors to abide by these regulations or the Code of Conduct or Code of Ethics or in case of any conflict of interest, either upon a reference from the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation or *suo motu*, take appropriate action including removal or termination of the appointment of any director, after providing him a reasonable opportunity of being heard.

Compensation and tenure of key management personnel

27. (1) A recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall constitute a Nomination and Remuneration Committee comprising a majority of public interest directors and chaired by a public interest director.

(2) The Nomination and Remuneration Committee shall determine the compensation of key management personnel in terms of a compensation policy.

(3) The compensation policy shall be in accordance with the norms for compensation policy specified under PART – I of Schedule – II of these regulations.

(4) The compensation payable to the managing director shall be as approved by the Board and the terms and conditions of the compensation of the managing director shall not be changed without prior approval of the Board.

- (5) The compensation given to the key management personnel shall be disclosed in the report of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation under section 134 of the Companies Act, 2013.
- (6) The report under sub-regulation (5) shall comprise of ratio of compensation paid to each key management personnel, vis-a-vis. median of compensation paid to all employees of the recognized stock exchange or recognized clearing corporation.
- (7) The tenure of a key management personnel, other than a director, shall be for a fixed period, as may be decided by the Nomination and Remuneration Committee.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (7), the tenure refers to the period of posting as key management personnel in a regulatory department, which shall be for a fixed period

Segregation of regulatory departments

- 28.** The recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall segregate its regulatory departments from other departments in the manner specified in Part - C of Schedule - II of these regulations.

Statutory committees

- 29.** (1) Every recognised stock exchange / recognized clearing corporation shall constitute the committees as per sub-regulation (2) and sub-regulation (3).
- (2) Functional committee, comprising of:
 - (2) Member selection committee;
 - (3) Investor grievance redressal committee; and
 - (4) Nomination and remuneration committee.
- (3) Oversight committees, comprising of:
 - (a) Standing committee on technology;
 - (b) Advisory committee;
 - (c) Regulatory oversight committee; and
 - (d) Risk management committee.
- (4) The composition, quorum and functions of the committees under sub-regulation (2) and sub-regulation (3) shall be in the manner as specified by the Board from time to time.

Appointment of compliance officer

- 30.** (1) Every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, rules, regulations, or directions issued thereunder and for the redressal of investors' grievances.
- (2) The compliance officer shall immediately and independently, report to the Board any non-compliance of any provision stated in sub-regulation (1) observed by him.

Contribution to the Settlement Guarantee Fund

- 31.** (1) The contribution to the Fund as specified in regulation 37 shall be made by the recognised stock exchange, the recognised clearing corporation and the clearing members, in the manner as may be specified by the Board from time to time.
- (2) In case of shortfall in the Fund, the recognised clearing corporation and the recognised stock exchange shall replenish the Fund to the threshold level as may be specified by the Board from time to time."

Transfer of penalties

- 32.** Penalties levied by recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall be credited to its Investor Protection Fund or the Fund as specified in regulation 37, as the case may be.

Disclosure and corporate governance norms

- 33.** (1) The disclosure requirements and corporate governance norms as specified for listed companies shall *mutatis mutandis* apply to a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation.
- (2) The governing board of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall confirm compliance of sub-regulation (1) in writing on half yearly basis.
- (3) Recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall disclose resources committed towards strengthening regulatory functions and towards ensuring compliance with regulatory requirements applicable to the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, as the case may be, backed by an activity based accounting in the report under section 134 of the Companies Act, 2013.
- (4) The fees and charges levied by a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall be placed for review before the Oversight Committee of such recognised stock exchange or recognised clearing corporation.

CHAPTER VI**GENERAL OBLIGATIONS****Clearing and settlement of trades**

- 34.** Every recognised stock exchange shall, with effect from the date specified by the Board in this behalf, use the services of recognised clearing corporation(s) for clearing and settlement of its trades.

Agreement between stock exchange and clearing corporation

- 35.** (1) Subject to provisions of sub-regulation (2), a recognised stock exchange shall avail the service of a recognised clearing corporation pursuant to an agreement in writing between them stipulating their rights and obligations, the conditions for admission of securities for clearing and settlement, risk management measures, charges for clearing and settlement and other incidental and consequential matters.
- (2) The recognised stock exchange shall extend its arbitration mechanism for settlement of disputes or claims arising out of clearing and settlement of trades executed on such stock exchange.

Admission of securities for clearing and settlement

- 36.** (1) A recognised clearing corporation shall seek approval of the Board before extending its services to any segment of a recognised stock exchange and before admitting any securities for clearing and settlement.
- (2) A recognized stock exchange shall not introduce any new segment without the prior approval of the Board.

Fund to guarantee settlement of trades

- 37.** (1) Every recognised clearing corporation shall establish and maintain a Fund by whatever name called, for each segment, to guarantee the settlement of trades executed in respective segment of a recognised stock exchange:

Provided that in case a recognised stock exchange enters into an arrangement with more than one recognised clearing corporation, it shall enter into a multipartite agreement in writing with such recognised clearing corporations to ensure interoperability among the clearing corporations.

- (2) In the event of a clearing member failing to honour his settlement obligations, the Fund shall be utilized to complete the settlement.
- (3) The corpus of the Fund shall be adequate to meet the settlement obligations arising on account of failure of clearing member(s).

- (4) The sufficiency of the corpus of the Fund shall be tested by way of periodic stress tests, in the manner specified by the Board.
- (5) The utilization of the Fund shall be in accordance with the norms specified by the Board.

Utilization of profits and investments

- 38.** (1) The utilization of profits and investments by recognised clearing corporations shall be in accordance with the norms specified by the Board.
- (2) The recognized stock exchange or recognized clearing corporation shall not carry on any activity whether involving deployment of funds or otherwise without prior approval of the Board:
- Provided that prior approval of the Board shall not be required in case of treasury investments if such investments are as per the investment policy approved by the governing board of recognized stock exchange or recognized clearing corporation;
- Provided further, that the recognised stock exchange and recognised clearing corporation may engage in activities whether involving deployment of funds or otherwise that are unrelated or not incidental to its activity as a stock exchange or clearing corporation, as the case may be, except through a separate legal entity and subject to approval of the Board.

Equal, fair and transparent access

- 39.** (1) The recognised clearing corporation shall lay down a policy framework for ensuring that there is no discrimination while rendering clearing and settlement services in settlement of trades executed on shareholder stock exchange(s) and executed on non-shareholder stock exchange(s).
- (2) The framework under sub-regulation (1) shall be made available on the website of the clearing corporation and shall provide the basis on which access to clearing and settlement services of the clearing corporation has been provided to a shareholder stock exchange(s) along-with the manner in which the said requirements should be complied by a non-shareholder stock exchange(s) to obtain access to clearing and settlement services.
- (3) The recognised clearing corporation and recognised stock exchange shall ensure equal, unrestricted, transparent and fair access to all persons without any bias towards its associates and related entities.
- (4) If any issue arises in rendering non-discriminatory access to services of a recognized clearing corporation, the Board's decision shall be final.

Maintenance of books of accounts and records

- 40.** (1) Every recognised stock exchange shall maintain and preserve the books of account and documents as per rule 14 of the rules.
- (2) Subject to the provisions of any other law for the time being in force, every recognised clearing corporation shall maintain and preserve the following books of account and documents for a minimum period of eight years, namely:-
- (a) Minute books of the meetings of:
 - (i) governing board;
 - (ii) any committees of the governing board;
 - (b) Record of clearing members showing their full names, addresses and details of bank and depository accounts for settlement purposes;
 - (c) Transaction records;
 - (d) Record of security deposits;
 - (e) Margin deposits book;
 - (f) Client margin collection details;
 - (g) Ledgers;

- (h) Journals;
- (i) Cash book;
- (j) Bank account statement;
- (k) Such other books of accounts and documents as may be specified by the Board from time to time.

Submission of annual financial statements and returns

- 41.** (1) Every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall furnish to the Board its annual financial statements and returns as per rule 17 and 17A of the rules.
- (2) The records as per sub-regulation (1) with respect to the preceding financial year shall be furnished to the Board by the thirtieth of September of every year.

Bye-laws and rules of stock exchanges and clearing corporation

- 42.** (1) A recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall, with the prior approval of the Board, make bye-laws for the regulation of contracts and clearing and settlement, as the case may be, as per section 9 of the Act and these regulations.
- (2) No memorandum of association, articles of association or any other constitution document, in so far as they relate to matters specified in section 3 of the Act or under these regulations and bye-laws of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, shall be amended except with prior approval of the Board.
- (3) The Bye-laws of the clearing corporation and procedure for submitting amendments to Articles/Rules/Bye-laws/Regulations, etc., of a recognised stock exchange/ recognized clearing corporation for approval of the Board shall be made in the manner as specified under PART – E of Schedule – II of these regulations.

Settlement and netting

- 43.** (1) The payment and settlement in respect of a transaction in a recognized stock exchange and recognized clearing corporation shall be determined in accordance with the netting or gross procedure as specified in the bye-laws of such recognized stock exchange and recognized clearing corporation, with the prior approval of the Board
- (2) Payment and settlement in respect of a transaction between parties referred to in sub-regulation (1), effected under the bye-laws of a recognized stock exchange or recognized clearing corporation, shall be final, irrevocable and binding on such parties.
- (3) When a settlement has become final and irrevocable, the right of the recognized stock exchange or the recognized clearing corporation, as the case may be, to appropriate any collaterals or deposits or margins contributed by the trading member, clearing member or client towards its settlement or other obligations in accordance with the bye-laws of the recognised stock exchange or recognized clearing corporation shall take priority over any other liability of or claim against the said trading member, clearing member or client, as the case may be.

Explanation. - For removal of doubts, it is hereby declared that the settlement, whether gross or net, referred to in this regulation is final and irrevocable as soon as the money, securities or other transactions payable as a result of such settlement is determined, whether or not such money, securities or other transactions is actually paid.

Right of Clearing Corporation

- 44.** The right of a recognised clearing corporation(s) to recover the dues from its clearing members, arising from the discharge of their clearing and settlement functions, from the collaterals, deposits and the assets of the clearing members, shall have priority over any other liability of or claim against the clearing members.

CHAPTER VII

LISTING OF SECURITIES

Listing

45. (1) Subject to the provisions of the applicable laws in force, a recognised stock exchange may apply for listing of its securities on any recognised stock exchange, other than itself and its associated stock exchange, if,—
- (a) it is compliant with the provisions of these regulations particularly those relating to ownership and governance;
 - (b) it has completed three years of continuous trading operations immediately preceding the date of application of listing; and
 - (c) it has obtained approval of the Board:
- Provided the Board may specify such conditions as it may deem fit in the interest of the securities market including those in relation to transfer of shares held by any person.
- (2) A recognised stock exchange shall not list any securities of its associates.
- (3) The securities of a recognised clearing corporation shall not be listed on any stock exchange.

Dematerialization

46. Securities of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall be in dematerialised form.

CHAPTER VIII

INSPECTION, ENQUIRIES AND ENFORCEMENT

Power to call for information

47. The Board may from time to time call for any information, documents or records from the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation, or their governing board or any shareholder thereof.

Power of inspection

48. (1) The Board may at any time undertake inspection, conduct inquiries and audit of any recognised stock exchange or recognised clearing corporation, any associate of such exchange or clearing corporation, any shareholder of such stock exchange or clearing corporation or any associate and agent of such shareholder.
- (2) Where an inspection under sub-regulation (1) is undertaken by the Board, such recognised stock exchange or recognised clearing corporation or shareholder or associate and every manager, director, managing director, chairperson or officer and other employee of such recognised stock exchange, recognised clearing corporation, shareholder or associate shall cooperate with the Board.

Directions by the Board

49. Without prejudice to the exercise of its powers under the provisions of the Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and rules and regulations made thereunder, the Board may, either *suo motu* or on receipt of any information or during pendency of any inspection, inquiry or investigation or on completion thereof, in the interest of public or trade or investors or the securities market, issue such directions as it deems fit, including but not limited to any or all of the following:—
- (a) directing a person holding equity shares or rights over equity shares in a recognised stock exchange or recognised clearing corporation in contravention of these regulations to divest his holding, in such manner as may be provided in the direction;
 - (b) directing transfer of any proceeds or securities to the Investor Protection Fund of a recognised stock exchange or Settlement Guarantee Fund of a recognised clearing corporation;

- (c) debarring any recognised stock exchange or recognised clearing corporation, any shareholder of such recognised stock exchange or recognised clearing corporation, or any associate and agent of such shareholder, or any transferee of shares from such shareholder, directors and key management personnel of recognised stock exchange and recognised clearing corporation from accessing the securities market or dealing in securities for such period as may be determined by the Board.

CHAPTER IX

MISCELLANEOUS

Power to remove difficulties

50. In order to remove any difficulties in the interpretation or application of the provisions of these regulations, the Board shall have the power to issue directions through guidance notes or circulars.

Power to specify procedures and issue clarifications

52. For the purposes of implementation of these regulations and matters incidental thereto, the Board may specify norms, procedures, processes, manners or guidelines as specified in these regulations, by way of circulars to recognised stock exchange(s) and recognised clearing corporation(s).

Repeal and savings

52. (1) On and from the commencement of these regulations, the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012 and the following circulars, shall stand rescinded:
- (a) Circular No. CIR/MRD/DSA/33/2012, dated December 13, 2012 - Procedural norms on Recognitions, Ownership and Governance for Stock Exchanges and Clearing Corporations;
 - (b) Circular No. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/30 dated January 22, 2016 - Amendment to SEBI Circular CIR/MRD/DSA/33/2012 dated December 13, 2012 pursuant to amendment in Regulation 2(1)(b) of SECC Regulations, 2012.
- (2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been taken or contemplated under the repealed regulations and circulars before the commencement of these regulations shall be deemed to have been done or taken or commenced or contemplated under the corresponding provisions of these regulations.
- (3) After the repeal of the regulations and circulars referred to in sub-regulation (1), any reference thereto in any regulation, guideline, circular or direction issued by the Board shall be deemed to be a reference to the relevant provisions of these regulations.

SCHEDULE -I

FORM A

[See regulations 4 and 12]

Application for recognition of clearing corporation under regulation 4/ Application for renewal of recognition of clearing corporation under regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018

To

.....

Subject: Application for recognition or renewal of recognition of a clearing corporation under regulation 4/regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018.

Sir,

1. We/I on behalf of..... (name and address of clearing corporation) being a clearing corporation hereby apply for recognition/renewal of recognition for the purposes of the said Act in respect of clearing and settlement of contracts in securities.
2. Two copies of the rules, memorandum and articles of association relating in general to the constitution and management of the clearing corporation and two copies of the bye-laws for the clearing and settlement of contracts in securities are enclosed.
3. All the necessary information required in the Annexure to this Form is enclosed. Any additional information will be furnished as and when called for by the Board.
4. We/I, on behalf of the said clearing corporation, hereby undertake to comply with the requirements of section 4 of the said Act and such other conditions and terms as may be contained in the certificate of recognition or be provided or imposed subsequently.

Proof of payment by way of direct credit in the bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other electronic mode permitted by RBI or through Demand Draft No dated drawn in favour of Securities and Exchange Board of India towards payment of fees as specified in regulation 5/ regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018, is attached.

Yours faithfully, Authorised
signatory

ANNEXURE TO FORM 'A'

Part I — General

1. Name of the applicant clearing corporation.
2. Address.
3. Date of establishment or incorporation of a clearing corporation.
4. Is your clearing corporation a joint stock company (state whether public or private) registered under the Companies Act?
5. Give details of your capital structure and attach three copies of the audited balance sheets and profit and loss account of the clearing corporation for the preceding three years.
6. Give details of shareholding pattern of the clearing corporation.
7. Has your business viability plan been appraised by a reputed agency having expertise in securities market for its viability? Give a copy of the appraisal report.
8. Have you entered into an agreement with recognised stock exchange(s) for clearing and settling its trades? Give the name of such stock exchange(s) and details of its organisation and management.

Part II — Clearing membership of clearing corporation.

9. State the number of clearing members at the time of application. Also specify how many are inactive.
10. State whether there is any provision, resolution or convention for limiting the number of clearing members and whether in pursuance thereof you have fixed a ceiling on the number of clearing members that you would admit.
11. Do you insist on any minimum qualifications and experience before enrolling new clearing members? If so, give details.
12. State the different classes of clearing members, if any, the number thereof and the privileges enjoyed by each class. What is the procedure followed by your clearing corporation for the admission of different classes of new clearing members?

13. What are the rates of your annual subscription in respect of the different classes of clearing members?
14. Do you collect any security deposit from your clearing members? If so, give details and also state the manner in which such deposits are utilised and the rate of interest allowed, if any.
15. Do you collect any admission or entrance fees from your clearing members? If so, how much?
16. Do you insist on your clearing members divesting themselves of other activities either as principal or as employee?
17. Give details of the scale of brokerage and other charges, if any, specified by your clearing corporation.
18. Do you prescribe standard form of agreement to be entered with the trading member for engaging the services of your clearing member? Attach two copies of such agreement.
19. What are the measures adopted by you to regulate or prohibit advertising or issuing circulars by your clearing members?
20. Do you require clearing members to supply such information or explanation and to produce such books relating to their business as your governing board may require?
21. Do you undertake periodic inspection of your clearing members? Give details including the number of annual inspections and manpower available for conducting inspection.

Part III — Governing Board

22. What is the present strength of your governing board? Give details of the constitution, powers of management, election and tenure of office of members of the governing board, and the manner in which its business is transacted.
23. Are any trade or commercial interest represented on your governing board? If so, give details of interests represented.
24. Do you associate members of investors associations with the management of your clearing corporation? If so, state the manner in which it is done.
25. Are there any Government or the Board representatives on your governing board? If so, furnish their names.
26. How many public interest directors are there on the governing board? Furnish their names, qualifications and experience.
27. Do your rules provide for the direct election by clearing members on the Advisory Committee of the governing board? If so, give details of its constitution, tenure, powers and functions.
28. Do you have any provision for the appointment of standing or ad hoc subcommittees of the governing board? If so, furnish details of their composition, appointment, term of office, powers and functions.
29. Give the designations, powers and duties of key management personnel of your clearing corporation. Give details as to the mode of their appointment, tenure of office and remuneration.
30. What are the disciplinary powers with the governing board to enforce due compliance by clearing members of the rules and bye-laws of the clearing corporation and generally to ensure proper standard of business conduct?
31. What provisions have you made for the levy and recovery of fees, fines and penalties?

Part IV — Clearing and Settlement

32. Describe the clearing and settlement system of the clearing corporation.
33. State the different kinds of products being cleared and settled or proposed to be cleared and settled in your clearing corporation (e.g., equity, equity derivative, currency derivatives, interest rate derivatives, debt instruments, etc.). State the period of delivery, payment and the settlement mechanism in each case.
34. What are the conditions subject to which trades are settled and cleared on your clearing corporation?

35. What are your requirements for admitting derivative transactions for clearing and settlement?
36. Do you have the right to prohibit, withdraw or suspend clearing and settlement of dealings admitted for clearing and settlement? If so, under what circumstances is this right exercised?
37. Give details of the clearing and settlement charges and other charges, if any, levied by your clearing corporation.
38. What provisions have you made for periodical settlement of contracts and differences thereunder, the delivery of, and payment for securities and the passing of delivery orders?
38. How do you fix, alter or postpone the dates of settlement?
39. Do you provide any safeguards for the prevention of market manipulation, especially in the case of physical delivery of shares in the derivative markets and for meeting emergencies in settlement? Give details.
40. Provide a detailed assessment of the measures adopted to address the various risks faced by the clearing corporation in terms of the BIS-IOSCO paper on 'Principles for Financial Market Infrastructures.'
41. Do you publish any statistics in regard to business done on the clearing corporation including the value of Settlement Guarantee Fund and transactions settled through the clearing corporation, if maintained? In particular, have you evolved any machinery for computing the gross and net exposure of the clearing corporation and the value of clearing and settling of different kinds of contracts permitted on your clearing corporation? Give details.
42. (a) Do you have any bye-laws, contravention of which makes a contract void?
- (b) Do you have necessary infrastructure, margin mechanism and adequate risk management mechanism to ensure market safety and integrity? Give Details.
- (c) Do you undertake any other activity other than clearing and settling? Give Details.
- (d) What is your net worth? Give Details.
- (e) Give details of business hours?
- (f) What are the conditions subject to which dealings are admitted for clearing and settlement?
43. Do you maintain Settlement Guarantee Fund? Give details of the corpus of the settlement guarantee fund, its contribution, circumstances for utilisation, priority of utilisation, etc.
44. How do you ensure the adequacy of the Settlement Guarantee Fund? Do you perform stress tests on a periodic basis. Give details and results of the latest stress test.
45. What is the netting procedure adopted by the clearing corporation for determining the obligations of the clearing member?
46. What is your policy in respect of settling trades of shareholder stock exchange and non-shareholder stock exchange?
47. Do you have any provisions for regulating the volume of business and exposure taken by any individual clearing member other than through a system of margins? If so, give details.
48. What provisions have you made for regulating— (a) the entering into contracts, their performance and rescission (b) the consequences of breach, default or insolvency on the part of trading or clearing members whether acting as buyers, sellers or intermediaries?

Part V — Infrastructure

49. Do you have any machinery for arbitration of disputes between clearing members and/or between clearing members and their constituents and trading member and clearing member? Give details.
50. Have you established connectivity with the depositories, clearing banks, stock exchange and clearing members? Give details.

51. What is the average load that is being handled by your systems? What is the peak load that can be handled and the extent of scalability of the systems in times of stress?
52. What is your business continuity plan? Give details including details of the disaster recovery site.
53. What are the names, qualifications and expertise of your key management personnel?

FORM B

[See regulation 9 and 12]

The Securities and Exchange Board of India

No.....The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for grant of recognition/renewal of recognition under regulation 4/regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018 by (name and address of clearing corporation) and being satisfied that it would be in the interest of the trade, in the interest of securities market and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 read with sub-section (4) of section 8A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the said clearing corporation foryear/years ending20..... subject to the conditions stated herein below or as may be prescribed or imposed hereafter.

Seal of the Board

Date:

Place:

Signature of Officer

SCHEDULE - II**PART - A**

[See regulation 26(1)]

Code of conduct for the directors on the governing board**1. Meetings and minutes.**

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- (a) not participate in discussions on any subject matter in which any conflict of interest exists or arises, whether pecuniary or otherwise, and in such cases the same shall be disclosed and recorded in the minutes of the meeting;
- (b) not encourage the circulation of agenda papers during the meeting, unless circumstances so require;
- (c) offer their comments on the draft minutes and ensure that the same are incorporated in the final minutes;
- (d) insist on the minutes of the previous meeting being placed for approval in subsequent meeting;
- (e) endeavour to have the date of next meeting fixed at each governing board meeting in consultation with other members of the governing board;
- (f) endeavour to ensure that in case all the items of the agenda of a meeting were not covered for want of time, the next meeting is held within fifteen days for considering the remaining items.

2. Code of Conduct for the public interest directors.

- (a) In addition to the conditions stated in Para (i) above, public interest directors of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall, endeavour to attend all the governing board meetings and they shall be liable to vacate office if they remain absent for three consecutive meetings of the governing board or do not attend seventy five per cent. of the total meetings of the governing board in a calendar year.
- (b) Public interest directors shall meet separately, at least once in six months to exchange views on critical issues.
- (c) The public interest directors shall identify important issues which may involve conflict of interest for the stock exchange/ clearing corporation, or may have significant impact on the functioning of recognised stock exchange or recognised clearing corporation, or may not be in the interest of securities market. The same shall be reported to the Board.

3. Strategic planning.

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- (a) participate in the formulation and execution of strategies in the best interest of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and contribute towards pro-active decision making at the governing board level;
- (b) give benefit of their experience and expertise to the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and provide assistance in strategic planning and execution of decisions.

4. Regulatory compliances.

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- (a) ensure that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation abides by all the applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, Securities

Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996, rules and regulations framed thereunder and the circulars, directions issued by the Board from time to time;

- (b) ensure compliance at all levels so that the regulatory system does not suffer any breaches;
- (c) ensure that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation takes steps commensurate to honour the time limit stipulated by Board for corrective action;
- (d) not support any decision in the meeting of the governing board which may adversely affect the interest of investors and shall report forthwith any such decision to the Board.

5. General responsibility.

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- (a) place priority for redressing investor grievances and encouraging fair trade practice so that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation becomes an engine for the growth of the securities market;
- (b) endeavour to analyse and administer the recognised stock exchange or recognised clearing corporation issues with professional competence, fairness, impartiality, efficiency and effectiveness;
- (c) submit the necessary disclosures/statement of holdings/dealings in securities as required by the recognised stock exchange or recognised clearing corporation from time to time as per their Rules or Articles of Association;
- (d) unless otherwise required by law, maintain confidentiality and shall not divulge/disclose any information obtained in the discharge of their duty and no such information shall be used for personal gains;
- (e) maintain the highest standards of personal integrity, truthfulness, honesty and fortitude in discharge of their duties in order to inspire public confidence and shall not engage in acts discreditable to their responsibilities;
- (f) perform their duties in an independent and objective manner and avoid activities that may impair, or may appear to impair, their independence or objectivity or official duties;
- (g) perform their duties with a positive attitude and constructively support open communication, creativity, dedication, and compassion;
- (h) not engage in any act involving moral turpitude, dishonesty, fraud, deceit, or misrepresentation or any other act prejudicial to the administration of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.

PART - B

[See regulation 26(2)]

Code of Ethics for directors and key management personnel of stock exchanges or clearing corporations

The 'Code of Ethics' for directors and key management personnel of the recognised stock exchanges or recognised clearing corporations, is aimed at improving the professional and ethical standards in the functioning of recognised stock exchanges or recognised clearing corporations thereby creating better investor confidence in the integrity of the securities market.

1. Objectives and underlying principles.

The Code of Ethics for directors and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation seeks to establish a minimum level of business/ professional ethics to be followed by these directors and key management personnel, towards establishing a fair and transparent marketplace. The Code of Ethics is based on the following fundamental principles:

- (a) Fairness and transparency in dealing with matters relating to the stock exchange or clearing corporation and the investors.
- (b) Compliance with all laws/ rules/ regulations laid down by regulatory agencies/ recognised stock exchange/ recognised clearing corporation.
- (c) Exercising due diligence in the performance of duties.
- (d) Avoidance of conflict of interest between self interest of directors/ key management personnel and interests of recognised stock exchange or recognised clearing corporation and investors.

2. Regulatory oversight committee.

For overseeing implementation of this Code, a regulatory oversight committee shall be constituted by every recognised stock exchange and recognised clearing corporation under the respective governing board.

3. General standards.

- (a) Directors and key management personnel shall endeavour to promote greater awareness and understanding of ethical responsibilities.
- (b) Directors and key management personnel, in the conduct of their business shall observe high standards of commercial honour and just and equitable principles of trade.
- (c) The conduct of directors and key management personnel in business life should be exemplary which will set a standard for other members of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.
- (d) Directors and key management personnel shall not use their position to give/get favours to/from the executive or administrative staff of the stock exchange or clearing corporation, technology or service providers and vendors of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, or any listed company at the recognised stock exchange.
- (e) Directors and key management personnel shall not commit any act which will put the reputation of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, in jeopardy.
- (f) Directors, committee members and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, should comply with the provisions of all applicable law to the securities market.

4. Disclosure of dealings in securities by key management personnel of the stock exchange or clearing corporation.

- (a) Key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall disclose on a periodic basis as determined by the recognised stock exchange or recognised clearing corporation (which could be monthly), all their dealings in securities, directly or indirectly, to the governing board/ regulatory oversight committee/ Compliance Officer.
- (b) The dealings in securities shall also be subject to trading restrictions for securities about which key management personnel in the recognised stock exchange or recognised clearing corporation may have unpublished price sensitive information. Requirement laid down under Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 shall be referred in this regard.
- (c) All transactions must be of an investment nature and not speculative in nature. Towards this end, all securities purchased must be held for a minimum period of sixty days before they are sold. However, in specific/exceptional circumstances, sale can be effected anytime by obtaining pre-clearance from the Compliance Officer to waive this condition after recording in writing his satisfaction in this regard.

Explanation.—"securities" for the purposes of this Code shall not include mutual fund units.

5. Disclosure of dealings in securities by directors of the stock exchange or clearing corporation.

- (a) All transactions / dealings in securities by the directors and their relatives shall be disclosed to the governing board of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.
- (b) All directors shall also disclose the trading conducted by firms/corporate entities in which they hold twenty per cent. or more beneficial interest or hold a controlling interest, to the stock exchange/clearing corporation.
- (c) The details including time period for disclosure under clause 5 (a) and 5 (b) above shall be prescribed by the stock exchange/clearing corporation, provided that the time period for disclosure shall not be later than fifteen days of the transaction / dealing.
- (d) Directors who are Govt. of India nominees or nominees of Govt. of India statutory bodies or Public Financial Institutions and are governed by their own codes shall be exempt from this requirement.

6. Avoidance of conflict of interest.

- (a) No director of the governing board or member of any committee of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall participate in any decisionmaking/adjudication in respect of any person /matter in which he is in any way, directly or indirectly, concerned or interested.
- (b) Whether there is any conflict of interest or not in a matter, shall be decided by the governing board.

7. Disclosures of beneficial interest.

All directors and key management personnel shall disclose to the governing board, upon assuming office and during their tenure in office, whenever the following arises:—

- (a) any fiduciary relationship of self and family members and directorship/partnership of self and family members in any trading member or clearing member;
- (b) shareholding, in cases where the shareholding of the director/key management personnel, directly or through his family exceeds 5 per cent. in any listed company or in other entities related to the securities markets;
- (c) any other business interests.

8. Role of the Chairperson and directors in the day to day functioning of the stock exchange or clearing corporation.

- (a) The Chairperson and directors shall not interfere in the day to day functioning of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and shall limit their role to decision making on policy issues and to issues as the governing board may decide.
- (b) The Chairperson and directors shall abstain from influencing the employees of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation in conducting their day to day activities.
- (c) The Chairperson and directors shall not be directly involved in the function of appointment and promotion of employees unless specifically so decided by the governing board.

9. Access to information.

- (a) Directors shall call for information only as part of specific committees or as may be authorised by the governing board.
- (b) There shall be prescribed channels through which information shall move and further there shall be audit trail of the same. Any retrieval of confidential documents/ information shall be properly recorded.
- (c) All such information, especially which is non-public and price sensitive, shall be kept confidential and not be used for any personal consideration/ gain.

- (d) Any information relating to the business/operations of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, which may come to the knowledge of directors/ key management personnel during performance of their duties shall be held in strict confidence, shall not be divulged to any third party and shall not be used in any manner except for the performance of their duties.

10. Misuse of position.

Directors/ committee members shall not use their position to obtain business or any pecuniary benefit in the organization for themselves or family members.

11. Regulatory Oversight committee to lay down procedures.

- (a) The regulatory oversight committee shall lay down procedures for the implementation of the code and prescribe reporting formats for the disclosures required under the code.
- (b) The Compliance Officer shall execute the requirements laid down by the regulatory oversight committee.

While the objective of this Code is to enhance the level of market integrity and investor confidence, it is emphasized that a written code of ethics may not completely guarantee adherence to high ethical standards. This can be accomplished only if directors and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation commit themselves to the task of enhancing the fairness and integrity of the system in letter and spirit.

PART – C

[See regulation 28]

Measures to ensure segregation of regulatory departments

- (1) In order to ensure the segregation of regulatory departments, every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall adopt a "Chinese Wall" policy which separates the regulatory departments of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation from the other departments. The employees in the regulatory departments shall not communicate any information concerning regulatory activity to any one in other departments. The employees in regulatory areas may be physically segregated from employees in other departments including with respect to access controls. In exceptional circumstances employees from other departments may be given confidential information on "need to know" basis, under intimation to the Compliance Officer.
- (2) Regulation 28 of these Regulations mandate segregation of regulatory departments from other departments. For this purpose, an indicative list of regulatory departments is given below. The governing board of the stock exchange/ clearing corporation may specify any other department having a regulatory function in addition to the list given below as a regulatory department.
- (3) Departments handling the following functions shall be considered as regulatory departments in a Stock Exchange:—
 - (a) surveillance,
 - (b) listing,
 - (c) member registration,
 - (d) compliance,
 - (e) inspection,
 - (f) enforcement,
 - (g) arbitration,
 - (h) default,
 - (i) investor protection,

- (j) investor services,
- (4) Departments handling the following functions shall be considered as regulatory departments in a Clearing Corporation:-
 - (a) Risk management,
 - (b) member registration,
 - (c) compliance,
 - (d) inspection,
 - (e) enforcement,
 - (f) default,
 - (g) investor protection,
 - (h) investor services,
- (5) The recognized stock exchange / recognized clearing corporation shall ensure that the regulatory departments viz., surveillance, inspection, risk management, default, investor protection, investor services etc, are sufficiently staffed with adequate number of persons having professional and relevant experience at all times.

PART - D

Application for seeking recognition as a Stock Exchange/ Clearing Corporation

[See regulation 4, 6 and 7]

- (1) An applicant seeking recognition as a stock exchange/ clearing corporation shall substantiate its capability to fulfill all the requirements laid down under SCRA, SCRR and regulation 7 of these Regulations at the time of making the application.
- (2) For the purpose of grant of in-principle approval under regulation 7(5) of these Regulations, the Board may take into account the factors which it may deem fit in the interest of the securities market. For this purpose, the Board may consider the information and documents including but not limited to the following:-
 - (a) Business feasibility plan for the next five years,
 - (b) Net worth certificate/ financial books and bank account details,
 - (c) Detailed write-up on each of its functions,
 - (d) Details of authorised officials along with specimen signatures of the authorized signatories,
 - (e) Proposed organisational structure,
 - (f) Necessary undertakings,
 - (g) Manpower planning,
 - (h) Background and necessary information (as specified herein) to establish that its shareholders/promoters are fit and proper persons, Information regarding its Office set-up, appointment of Managing Director after following due process.
- (3) Before grant of final approval, in addition to the above, the applicant shall satisfy the Board with regard to compliance of the following:
 - (a) Appointment of heads of key departments such as legal, listing, member registration, trading and surveillance in case of a stock exchange, and
 - (b) Appointment of heads of key departments such as risk, legal, clearing and settlement, in case of a clearing corporation.

- (c) Satisfactory compliance with observations of the Board during inquiry/ inspection by the Board.
- (d) Any other requirement as the Board may deem necessary for disposal of the application.

PART - E

Bye-laws of Clearing Corporation, and procedure for submitting amendments to Articles/Rules/Bye-laws/Regulations, etc., of a recognised stock exchange / recognized clearing corporation for approval of the Board

[See regulation 42]

- (1) A clearing corporation shall in terms of applicable provisions of section 9 of the SCRA and regulation 42 of these Regulations make bye-laws, providing *inter alia* for the following:-
 - (a) the timings for pay-in and pay-out of funds and securities;
 - (b) rules for clearing and settlement;
 - (c) risk management mechanism;
 - (d) process of netting, novation and guarantee for settlement of trades;
 - (e) norms for contribution into and utilisation of the Fund in terms of regulation 39 of these Regulations ;
 - (f) rights and obligations of the clearing members vis-a-vis the clearing corporation, other clearing members, the trading members and clients of such trading members;
 - (g) criteria for admission and regulation of clearing members;
 - (h) default handling mechanism;
 - (i) Committees.
 - (j) any other matter as may be specified by the Board.
- (2) **Procedure for submitting amendments to Articles/Rules/Bye-laws/Regulations, etc., for approval of the Board:-** The amendments to the Memorandum, Articles of Association, Rules, bye-laws, Regulations (as may be applicable) etc., of the stock exchange/clearing corporation, in terms of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, other applicable provisions in this regard, shall be submitted for approval of the Board, subsequent to the following.
 - a. The proposed amendment/s shall first be approved by the governing board of the stock exchange/clearing corporation, followed by shareholders approval (wherever applicable), then shall be submitted to the Board for approval and then published in the Gazette of India (wherever applicable) and the respective State.
 - b. The proposal shall be accompanied by the minutes of the governing board, the shareholder's resolution and public criticism. However, in case the amendments are pursuant to Regulations, circular etc, issued by the Board, the same shall not be subject to shareholder's approval.

PART - F

Application for grant of approval for holding equity shares in a recognized stock exchange or recognized clearing corporation.

[See regulation 19 (4)]

- (1) A shareholder seeking approval of the Board for holding equity shares in a recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall submit the following particulars:
 - (a) Name

- (b) Address
- (c) Details of employment/ business, if any:
- (d) SEBI registration number, if any.
- (e) Details of registration with other statutory authorities,.
- (f) Declaration regarding the fulfillment of requirements of regulation 20 of these Regulations.
- (g) Details of action /penalties taken/imposed against/upon him/it by any statutory authority in India or abroad.
- (h) Details of activities that may, in the opinion of the shareholder, lead to his/its disqualification.
- (i) Association with trading members/clearing members of stock exchanges/clearing corporations.
- (j) Cases pending before any Court, Tribunal or any other statutory authority in India or abroad, if any.
- (k) Prior approvals from the Board as fit and proper, if any.

PART G

Monitoring of shareholding limits

[See regulation 19A]

(1) In terms of sub-regulation 10 of regulation 19, the stock exchange/clearing corporation shall put in place a monitoring mechanism to ensure compliance with the shareholding conditions specified in these Regulations at all times. Stock exchange/clearing corporation shall:-

- (a) Check the shareholding data on a periodic basis to ensure that the shareholding restrictions specified under Chapter IV of the these Regulations are complied with at all times.
- (b) Upon breach of shareholding limits, they shall intimate the same to the Board within 7 days.
- (c) In case of listed stock exchanges, they would be guided by the Board circular dated January 01, 2016.
- (d) Disseminate on its website, the number of shares available in the non-public, FII and FDI category. The information shall also be disseminated by the stock exchange on which the shares may be listed.

PART – H

Appointment of Directors

[See regulation 24 and 25]

Procedure for appointment:—

(1) All directors while seeking approval shall submit to the stock exchange/clearing corporation the following details:—

- (a) Name
- (b) Address
- (c) Educational qualification
- (d) Details of employment/ Occupation, past and present
- (e) Details of other directorships
- (f) DIN No.
- (g) Declaration regarding the fulfillment of requirements specified under regulation 20 of these Regulations.

- (h) Declaration confirming compliance of Regulation 23 (6) read with Regulation 2 (1) (b) of these Regulations, in respect of non-association with trading member or clearing member.
 - (i) Details of regulatory action taken against by any statutory authority in India.
 - (j) Details of activities that may in the opinion of the director, lead to his disqualification.
 - (k) Association with trading members/clearing members of stock exchanges/clearing corporations.
 - (l) Disclosure of the names of his dependents associated with the securities market as member, sub-broker, authorized person or holding any SEBI registration.
 - (m) An undertaking that he shall abide by the code of conduct and code of ethics prescribed in Part A and Part B of Schedule II to these Regulations.
 - (n) In the case of public interest directors, consent letters for acting as a public interest director.
 - (o) Pending / completed criminal cases pending before any authority in India or abroad, if any.
- (2) The stock exchange/ clearing corporation shall forward the above details to the Board while recommending their names along with the minutes of the governing board meeting where their name/s was approved, copy of the shareholder's resolution (wherever applicable), a confirmation by the stock exchange/ clearing corporation that they are fit and proper persons in terms of their fit and proper criteria and are not associated with any trading member or clearing member in terms of regulation 23 (6) read with regulation 2 (1) (b) of these Regulations.

Managing Director / Executive Director:—

- (1) The Nomination and Remuneration Committee of the recognized stock exchange/ recognized clearing corporation shall be responsible for selection of CEO /Managing Director / Executive Director, as the case may be. The managing director shall be selected through open advertisement in all editions of atleast one national daily from amongst persons qualified in the fields of capital market/ finance/ management and possessing sufficient experience. In case of re-appointment, or extension of appointment, the stock exchange/ clearing corporation shall apply to the Board two months before the last working day of such Managing Director.
- (2) In case a vacancy of managing director arises due to unforeseen reasons, the stock exchange/ clearing corporation shall forward the new names to the Board within 60 days from the date of submission of resignation or such vacation of office.

Public Interest Directors:—

- (1) The names of public interest directors shall be forwarded to the Board after the approval of the Board of the stock exchange/clearing corporation. The shareholders approval shall not be necessary. A minimum of two names shall be submitted to the Board for each vacancy of public interest directors.
- (2) The stock exchange/ clearing corporation shall ensure that public interest directors are selected from diverse field of work. While deciding to propose a particular person as a public interest director, the stock exchange/ clearing corporation shall also take into account the following factors:
 - (a) Qualification in the area of law, finance, accounting, economics, management, administration or any other area relevant to the financial markets.
 - (b) Atleast one person shall be inducted having experience and background in finance / accounts who may preferably be inducted in the audit committee.
 - (c) Persons currently holding positions of trust and responsibility in reputed organisations or person who have retired from such positions.
 - (d) Persons who are likely to have interested positions in commercial contracts and financial affairs of stock exchanges, may preferably be excluded. Persons who are regular traders/ speculators in the market or are director in the board of the promoter entity of the Stock Exchange or Clearing Corporation, shall be excluded.

- (3) Public interest directors shall peruse the relevant laws, code of conduct, code of ethics, etc and submit an undertaking to the stock exchange/clearing corporation that they are aware of their role, responsibilities and obligations. The stock exchange/clearing corporation shall provide at least seven days of training to every public interest director each year.
- (4) In case of extension of the term of the public interest director or appointment of a new public interest director, the stock exchange/ clearing corporation shall apply to the Board two months before the expiry of the term. In addition to the other requirements prescribed herein, the application for extension of term of the public interest director shall be accompanied with, his attendance details on meetings of various mandatory committees and on the governing board of the stock exchange / clearing corporation, performance review and the reasons for extension of term.
- (5) The existing public interest director shall continue holding the post, till a new public interest director is appointed in his place.

Share Holder Directors:—

- (1) The names of persons to be appointed as shareholder directors shall first be approved by the governing board of the stock exchange/ clearing corporation, followed by shareholders' approval before submitting the same to the Board for approval.
- (2) The manner of election, appointment, tenure, resignation, vacation, etc. of shareholder directors shall be governed by the Companies Act, 2013 save as otherwise specifically provided under the these Regulations or in accordance with the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, circulars issued thereunder.

Selection of trading members/clearing members on the Advisory Committee to the governing board:—

- (1) Prior to the appointment to the advisory committee, the governing board of the stock exchange/ clearing corporation shall satisfy itself that the trading members/ clearing members are fit and proper persons in terms of regulation 20 of the these Regulations. The governing board shall frame the eligibility norms, term of office, cooling off period etc., of members of the advisory committee in consultation with the trading members/clearing members of the stock exchange/ clearing corporation.

General conditions on appointment of directors:-

- (1) The stock exchange/ clearing corporation shall complete the appointment process within 30 days from nomination/approval for directors by the Board and submit a compliance report within one week from the date of appointment.
- (2) In case any other official of the stock exchange/ clearing corporation is appointed on the governing board in addition to the Managing Director, the same shall be subject to the approval of shareholders and the Board, in that order.

PART - I

Norms for compensation policy

[See regulation 27 (3)]

- (1) Regulation 27 of the these Regulations mandates that the compensation policy for key management personnel of stock exchange/ clearing corporation shall be in accordance with the norms specified by the Board. The compensation norms, in this regard, shall be as follows:-
 - (a) The variable pay component shall not exceed one-third of total pay.
 - (b) 50% of the variable pay shall be paid on a deferred basis after three years.
 - (c) ESOPs and other equity linked instruments in the stock exchange/ clearing corporation shall not be offered or provided as part of the compensation for the key management personnel.
 - (d) The compensation policy shall have malus and clawback arrangements

- (2) Apart from the above, the compensation policy of the stock exchange/ clearing corporation shall take into consideration the following:
- (a) financial condition / health of the stock exchange/ clearing corporation,
 - (b) average levels of compensation payable to employees in similar ranks,
 - (c) shall not contain any provisions regarding incentives to take excessive risks over the short term,
 - (d) revenues, net profit of the stock exchange/ clearing corporation,
 - (e) comparable to the industry standards,
 - (f) role and responsibilities of the key management personnel,
 - (g) periodic review.
- (3) At the time of seeking approval of the Board for the appointment of the managing director, the stock exchange/ clearing corporation shall seek approval for the compensation of the managing director from the Board. The compensation of the Managing Director of a stock exchange/clearing corporation already appointed with the approval of the Board shall be in accordance with the compensation policy as mentioned above. The same shall be submitted to the Board for approval within three months from the date of issue of these regulations.

PART - J

MISCELLANEOUS

- (1) **Internal manual for conflict resolution:** The stock exchange/clearing corporation shall have an internal manual covering the management of conflicts between commercial and regulatory functions of the stock exchange/clearing corporation. The stock exchange/ clearing corporation shall put in place a policy for comprehensive training and awareness of its employees on the various conflicts of interests involved in the functioning of its regulatory departments. Further, the entire conflict management framework shall periodically be reviewed and be strengthened based on the observations of such review.

AJAY TYAGI, Chairman

[Advt.-III/4/Exty./247/18]